

प्राधिकार से प्रकाशित 🐉 PUBLISHED BY AUTHORFTY

सं॰ 30] No. 30] नई विल्लो, शनिवार, जुलाई 29, 1989/श्रावण 7, 1911-NEW DELHI, SATURDAY, JULY 29, 1989/ SARAVANA 7, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—सगड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आवेश और अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other chan the Ministry of Defence)

# विस्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

नई दिल्ली 14 फरवरी, 1989 ) अध्यक्तर

का.आ.1710-- इस कार्यालय की दिनांक 15-3-88 की प्रधिसूचना सं. 7801 (का. सं. 203/11/88-आ. कर नि. II) के प्रनुक्रम में, सर्व साधारण की जानकारी के लिए एतंब्द्वारा यह अधिसूचिन किया जाना है कि विहिन प्राधिकारी प्रथित् वैज्ञानिक और भौदोगिक प्रनुसंशन विभाग, नई दिल्ली, ने निस्नलिखिन संस्था को प्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पटिन आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उप धारा (i) के खंद (ii) (वैतीस/एक/तीन) के प्रयोजनों के लिए "इंस्टीट्यूकन" प्रवर्ग के अधीन निस्नलिखिन सतौं पर प्रमुमोदिन किया है :--

- (i) यह कि बिडला इकनामिक रिसर्च फोउंडेशन, कलकत्ता ग्रपने पैकाकिक ग्रमुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रेखेंगा।
- (ii) यह ि उक्त इंस्टीट्यूणन भ्रपने वैज्ञानिक यन्संघान संबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों,में प्रस्तुत करेगा जो इस स्योजन के लिए श्रधिकयित किया जाए ग्रीर उसे सुचित किया जाए।

- (iii) यह कि उक्त इस्टीट्यूशन प्रवर्ता कुल घाय तथा व्यय दर्शा हुए प्रपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अवनी परिमम्सियां, देन-दारियां दर्गते हुए नुकर-पक की एक एक प्रति पति वर्ष 30 जून तक बिहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्ताथेजों में से प्रत्येक की एक एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर जोड़े, नई दिल्ती, पर्मित सहानिदेणक (छूड), करकता तथा पंजीवर ब्राप्तकर प्रायुक्त के पास जेनेगा।
- (iv) यह कि उक्त इंग्टीट्पृणन केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, किल मंत्रालय (रानस्य विष्णाग), नर्ग दिल्ली तथा श्राय कर महानिदेशक (खूट), कलकता को अनुमोदन की सपाण्य से पूर्व शितिस्थित श्रावधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। अनुमोदन की समाण्य की तारीख के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदन पत्नों को रह कर दिया जाएगा।

# इंस्टोट्यूमन/एमोसिएमन

िबङ्ला इक्तर्सामिक रिसर्च फाउंडेशन 9/1, श्रार एन मुखर्जी रोड, कलकला⊸।

यह ग्रिधिसूचना दिनाक 1-4-88 में 31-3-89 तक की भ्रविध के निष् प्रशासी है।

[मं. 8180/फा. सं. 203/1/89-प्रायकर नि. H]

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue) New Delhi, the 14th February, 1989

### INCOME-TAX

- S.O. 1710. In continuation of this Office Notification No. 7801 (F. No. 203/11/88-ITA.II) dated 15-3-88 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions:—
  - (i) That Birla Econemic Research Foundation, Calcutta will main a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Institution will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their andited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Compilerions of Income to. missioner of Income-tax,
  - (iv) That the said Institution will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

# INSTITUTION/ASSOCIATION

Birla Economic Research Foundation, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8180/F. No. 203/1/89-ITA,II]

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1989

### भायकर

का० ग्रा० 1711-इस कार्यालय की दिनांक 18-4-1986 की प्रधिसूचना सं. 6675 (फा. सं. 203 j 79 j 86- श्रा. करनि. f H) के श्रनुकम मे, सर्व माधारण की जानकारी के लिए एकद्हारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात वैज्ञानिक भौर भौद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को ग्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 की धारा 35 की जपक्षारा (I) के खंड (ii) (पैनीम/एक/तीन) के प्रयोजनों के लिए "इंस्टीट्युशन' प्रवर्ग के प्रधीन निम्नलिखित सतौं पर अनुमोदित किया है :---

- (i) यह कि गुजरान इंस्टीच्युट ग्राफ एरिया प्यानिंग, प्रियदामराय मार्ग, ब्रहमदाबाद- 6 ब्रपने वैज्ञानिक धन्मधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त इंस्टीच्यूट ग्रपने वैज्ञानिक ग्रन्संघान संबंधी कार्य-कलापों की नार्षिक विवरणी, विहिन प्राधिकारी को प्रत्येक विकीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपन्नों में प्रस्तृत करेगा जो इस ोजन के लिए प्रधि कथित किया जाए घौर उसे सूचित किया जाए।

- (iii) यह कि उक्त इंस्टीच्यृट अपनी कुल भ्राय तथा व्यय दर्शा हुए भ्रपने मंपरीक्षित वार्षिक लेखो की तथा भ्रपनी परिसम्पत्तियां,वेर दारियां दशति ४ए तुलन-पत्न की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून, त विहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा सथा इन दस्तावेजों में से प्रस्के की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, तई दिल्ली, ग्रायकर महानिवेशर (छूट), कलकत्ता कथा सम्बोधित ग्रायकर श्रायकर के पास भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त इंग्टीच्युट फेन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, बिन मंत्राला (राजस्य विभाग), नई दिल्ली तथा प्राप्त कर महानिदेशक (छट) कलकत्त को अनुसोदन की समाप्ति से पूर्व अतिरिक्त अवधि बढ़ाने के लिए आवेद करेगा। प्रमुमोदन की समाप्ति की दारीख के पश्चात् प्राप्त होने बार ग्रावेदन पत्रं को रह कर दिया जाएगा।

#### इंस्टीट्यणन

"दी गजरास इंग्टीच्यट प्राफ एरिया प्लानिंग, सरखेज, गांधी नग हाइवे गोटा - 382481, जिला महमदाबाद (भारत)

यह प्रधियुचना दिनांक 1-4-1988 से 31-3-1989 तक की प्रयधि लिए प्रभावी है।

[सं. 8181/फा. सं. 203/215/88 - घायकर नि-II]

New Delhi, the 15th February, 1989

### INCOME-TAX

- S.O. 1711.—In continuation of this Office Notification N 6675 (F. No. 203/79/86-ITA.II) dated 18-4-1986 it is hereb no ified for general information that the Institution mentione no used for general information that the Institution mentione below has been approved by Department of Scientific ar Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority fithe purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section (Thirty Five/One/Ihrce) of the Income-tax Act, 1961 required with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Catego "Institution" subject to the following conditions:—
  - (i) That Gujarat Institute of Area Planning, Pritamra Marg, Ahmedabad-6 will maintain a separate accou of the sums received by it for scientific research.
  - (li) That the said Institute will furnish annual returns its scientific research activities to the Prescrib Authority for every financial year in such forms may be laid down and intimated to them for ti purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Institute will submit to the Prescrib Authority by 30th June each year a copy of the audited onnual accounts showing their income ar expenditure and Balance Sheet showing its assortiabilities with a copy of each of these documents the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DG (Exemption) Calcutta and the concerned Comm sioner of Income-tax.
  - (iv) That the said Institute will apply to Central Bon of Direct Taxes, Ministry of Finance (Departme of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemptio Calcutta before the expiry of the approval for fi ther extension. Appliateions received after the di-of expiry of approval are liable to be rejected.

# INSTITUTION/ASSOCIATION

The Gujarat Institute of Area Planning, Sarkhel-Gandhinag Highway Gota Distt. Ahmedabad (India).

This Notification is effective for a period from 1-4-88 31-3-89.

[No. 8181/F. No. 203/215/88-ITAT

#### ग्रायकर

का. या. 1712.—इस कार्यातय की दिनांक 29-6-87 की प्रिधिमूचना . 7373 (का. मं. 203/260/86-प्रा. कर नि.-II) के प्रमुक्त में, यं साधारण की जातकारों के लिए एनव्हारा यह प्रधिसूचिन किया आता कि विहित प्राधिकारी प्रयान, वैज्ञानिक प्रौर प्रौद्योगिक प्रमुखान विकास है दिल्ली, ने निम्निलिखन सस्या की प्रायकर नियम 1962 के निया है के साथ पठित प्राप्तकर अधित्वस, 1961 की घारा 35 की उत्तथारा I) के खंड (ii) (पैनोस/एक/बा) के प्रयोजन के लिए "एसोसिल्शन" प्रार्थ प्रथीन निम्निलिखन शर्मी पर प्रमुमीविन किया है:---

- (i) यह कि एक्कोर्टन हर्ट इस्टीक्यूट एंड रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली--25 अपने वैज्ञानिक ब्रह्मधान के लिए स्वय द्वारा प्राप्त राथियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह िक उक्त एसोनिएशन भपने वैज्ञानिक स्रमुमंशान संबंबी कार्य, ज्लापों की वार्षिक विवरणी, विक्षित प्राधिकारी को प्रस्थेक विक्षाय वर्ष के . बंध में प्रतिवर्ष 31 रार्च, तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन 5 लिए। स्रीय कथित किया जाए।
- (iii) यह कि उनः एपितिएगन अपनी कुल आज तया व्यज दर्णात ए अपने संगर्गक्षित वाधिक लेखी की तथा अपनी परिसम्मक्तिया, देनदाज्या शति हुए तुलन पत्र की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून वक विहित्र धिकारी के पास प्रस्तुत करेगा सथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येत की एक-क प्रति केन्द्रीय प्रदास कर बार्ड, नई दिश्वा, आयकर मह निर्देशक (छूट) स्वक ना सथा सथानिक अयाह आयक्त के पास भेजेगा।
- (4) पह कि उका एसोसिएणन केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, थिन ज्ञालय (राजस्य विभाग) नई दिल्ली तथा भ्राय कर महानिदेणक (छूट) लकता को भ्रनुमोदन की समाध्ति से पूर्व भ्रतिरिक्त भ्रविध बढ़ाने के लिए, विदेन करेगा। श्रनुमोदन की समाध्ति की तारीख के पश्चात् प्राप्त होने कि भ्राविदन पत्नों को रह कर विद्या जाएगा।

### एस)सिएशन

एसकॉर्टेस हर्ट् इस्टी च्यूट एंड रिसर्थ मेंटर, प्रोखना रोड, नई विस्ली-25 यह प्राधसूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की अवधि के अंगु प्रभावी है।

[सं. 8186/फा. मं. 203/102/88 - श्रायकर नि-II]

### INCOME-TAX

S.O. 1712.—In continuation of this Office Notification No. 373 (F. No. 203/260/86-ITA.II) dated 29-6-1987 it is hereby stified for general information that the Institution mentioned flow has been approved by Department of Scientific and idustrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 hirty Five/one/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with le 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category Association" subject to the following conditions:—

- (i) That Fscorts Heart Institute and Research Centre, New Delhi-25 will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets, Pobilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi. DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.

(iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### INSTITUTION / ASSOCIATION

Escorts Heart Institute and Research Centre, Okhla Road, New Delhi-25.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8186/F. No. 203/102/88-ITA.II]

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1989

### भ्रायकर

की. प्रा. 1713. - इस कार्यान हो दिन के 2-7-1987 की प्रधिसूनना मं. 7308 (फा. स. 203/20/87-प्रा. कर नि.--धि) के प्रमुक्त में, सर्व साधारण की जातकारी के लिए ए उद्घार यह प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्रधिकारी प्रथीत् वैज्ञानिक प्रीर प्रीचौर्गक प्रमुखान विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को प्रधानर विथम 1962 के नियम 6 के माथ पठित प्रायक्तर प्रधिनियत 1961 की धारा 35 की उपचारा (i) के खंड (ii) (वैतिम/एक/बो) के प्रयोजनां के लिए "एमोसिएमन" प्रवर्ग के प्रयोजनां के लिए "एमोसिएमन" प्रवर्ग के प्रयोजनां के निम्तलिखा सनी पर प्रमुखोदित क्रिया है -

- (i) यह कि कर्नाटक इंस्टोच्यूट भाफ एन्ताईड एप्रीकन्बरक रिसर्च कर्नाटक भ्राने बैज्ञानिक भनुसंधान के लिए रवय द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक विख्या रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त एतोतिएसन घरने वैज्ञानिक प्रनुपंजान संबधी कार्य कलापों की वार्षिक विवरणी, जिहिन प्राधिकारी को प्रत्येक जिलीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपर्त में प्रत्युत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधि कथित किया जाए और उसे सूचिन किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त एसोसिएगत धानी कुत आप नया वार दशी। हुए अपने संपरीक्षित वाधिक लेखों की तथा अपनी परिनस्पत्तियां, देनदारियां वर्णाते हुए तुलन पत्न की एक-एए प्रति, प्रति वर्षे 30 मूर्व तक विहित्त प्राधिकारी के पास प्रस्कुत करेगा तथा इत दक्तावेजों में से प्रस्थेक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नई दिल्ली, आयकर महानिदेणक (छूट), कलकत्ता तथा संबंधित आयकर आयुक्त के पास भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त एसोसिएशन केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, विन्न मंत्रासार (राजस्य विभाग) नई दिल्ली तथा आप कर महानिदेशक (खूट), कलकत्ता को अनुमोदन की समाध्ति से पूर्व प्रातिरक्षा अर्थीय बहाने के लिए आवेद करेगा। अनुमोदन की समाध्ति की लागिश्र के पश्चाल्य प्राप्त होने वाले आवेदन पक्षों को रह कर विधा जाएगा।

### एसोसिएशन

कर्नाटक इस्टीच्यूट प्राफ एप्लाईड एप्रीकन्त्ररंग रिनर्व समीराादी जिना विजनीर, कर्नाटक राज्य

्रेयह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-88 में 31-3-1989 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 8191/फा. सं. 203/191/88 -- प्रायकर सि-H]

New Delhi, the 16th February, 1989

# INCOME-TAX

S.O. 1713.—In continuation of this Office Notification No. 7398 (F. No. 203/20/87-l'TA.II) dated 2-7-1987 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and

Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) That Karnataka Institute of Applied Agricultural Research, Karnataka will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the dafe of expiry of approval are liable to be rejected.

#### INSTITUTION/ASSOCIATION

Karnataka Institute of Applied Agricultural Research Sameerwadi Distt. Bijapur, Karnataka State

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8191/F. No. 203/191|88-ITA-II]

### मई दिल्ली, 21 फरवरी, 1989

#### भायकर

- का. भा. 1714—इस कार्यालय की दिनांक 30-10-86 की ग्रिधिसूचना, से. 6986 (फा. सं. 203/201/85—ग्रा. कर. नि.—II) के भनुकम में सर्व साधारण की जानकारी के लिए एतदहारा यह ग्रिधिसूचिन किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात वैज्ञानिक और भ्रीयोगिक भ्रनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को भ्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ परित भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उर धारा (i) के खंड (ii) पैतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "एसोसिएशन" प्रवर्ग के भ्रधीन निम्नलिखित भरतों पर भ्रमुमोदित किया है ——
- (i) यह कि एसपी एक्रीकलवरल रिसर्च एंड डिबोलवमेंट फाउ डेणन, बस्चई भपने बैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वय द्वारा प्राप्त राणियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त एसोसिएणन अपने वैज्ञानिक अनुसंज्ञान संबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहिन प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिक कथित किया जाए भीर उसे सुचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त एसोसिएलन प्रपनी कुल प्राय तथा व्यय दर्णान हुए अपने सपरीक्षित वार्षिक लेखीं की तथा अपनी परिसम्पन्तिया, देनवारियां दर्णात हुए नुलन-पक्ष की एक एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून, तक विहित प्राक्षिकारी के पास प्रस्तुन करेगा तथा इन दस्तावेजों से से प्रत्येक की एक एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ब, नई विल्ली, ग्रायकर महानिरीक्षक (छूट), कलंकना तथा संबंधित ग्रायकर ग्रायुक्त के पास सेनेगा।
- (iv) यह कि उक्त एसोसिएमन केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर योर्ड, मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली तथा भ्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता

को अनुनोदन की समाप्ति से पूर्व अतिरिक्त अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। अनुनोदन की समाप्ति की तारीख के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्नों को रह कर दिया जाएगा।

# इंस्टीटयुशन/एसोसिएशन

एसपी एपीकलचरल रिसर्च एंड डिवेलपभेंट फाउडेंशन, श्रादर्श हार्डासग सोसायटी क्रांस रोड नं. 1, मलाड (बम्बई)-400064

यह अधिसूचना विचाक 1-4-88 से 31-3-89 तक की भवधि के लिए प्रभावी है।

[मं. 8197/फा. मं. 203/122/88 → श्रायकर नि-II]

New Delhi, the 21st February, 1989

#### INCOME-TAX

- S.O. 1714—In continuation of this Office Notification No. 6986 (F. No. 203/201/85-ITA.II) dated 30-10-86 is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions:—
  - (i) That Aspee Agricultural Research and Development Foundation, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Assocition will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
  - (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

#### INSTITUTION / ASSOCIATION

Aspee Agricultural Research and Development Foundation, Adarsh Housing Society, Cross Road No. 1, Malad, Bombay-400064

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8197/F. No. 203/122/88-ITA.II]

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1989

### भागकर

का. भा. 1715. — इस कार्यालय की दिनांक 25-8-1987 की श्रधिसूचना सं. 7488 (फा. सं. 203/34/86 मा. कर नि. — II) के अनुकम में, सर्व साधारण की जानकारी के लिए एनदब्रारा यह अधिसूचिन किया जाता है कि विष्ठित प्राधिकारी अर्थात वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखिन संस्था को श्रायकर अधिनियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठिन भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधार।

- (i) के खंड (ii) पैतीस/एक/दो) के प्रयोजनी के लिए "सल्या" प्रवर्ग के प्रशेष निर्माशिता सतौँ पर अनुनीदिन हिया है:---
- (i) यह कि भी प्रक्षेत्रद मोनायदेक पाण्डियरी अपने वैद्याचिक श्रव-संवान के लिए सांय द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उस्त मन्यान घपो यैज्ञानिक प्रमुखंबान संबर्धा नार्य-कलापों की बाधिक विकरणों, विकित प्रतिवकारों को प्रत्येक वितोध वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 गई कि ऐसे प्रकार में प्रश्तुत करेगा को इस प्रयोजन के लिए श्रीवकांयन किया जाए और उसे मुनिए किया आए।
- (iii) यह कि जक्य स्थान सानी कुल स्राय नथा क्या वर्गात हुए सपने संवरीक्षिय वर्गिक लेखों की नथा प्रानी परिशम्मित्यों, देनदारियां दर्गाते हुए सुयन-पत्न की एक एक पति, प्रति वर्ष 30 जून वर्क विहित प्राधिकारी के पान परनुत करेगा तथा इन वर्गावेजों में न प्रत्ये के का एक एक प्रकार के के के प्रत्ये के का एक कि के के के प्रत्ये कर वोर्ड, नई विचनी, प्रायक्तर सहानेका (खूट) कलकत्ता तथा सर्वित प्रायकर प्रायक्तर के पान भेजैगा।
- (iv) यह कि उक्त संस्थान केन्द्रीय प्रस्यक्ष कर बोर्ड, विन मंत्रालय (राजक विभाग) नई दिल्ला तथा प्रतिकार महानिक्षण (सूट), कलकता को प्रमुपेवन की समापि। से माह पूर्व अधिरंदक प्रवधि बडाने के लिए आवेदन करेगा। अनुमादन की सपापित की सारीख के पश्चान प्राप्त होने वाले अविवन पर्हों को रह कर दिया जाएस।

# इं स्टीटयूशन/एमोभिएशन

श्री धर्मवन्द योगायदो हाऊम, पाण्डिमेरी - 605002

यह ग्रधिसूचना दिनांक 1-4-1988 से 31-3-1989 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 8201/फा. गं. 203/113/88 - आवकर नि-H]]

### New Delhi, the 22nd February, 1989

### INCOME-TAX

- S.O. 1715.—In continuation of this Office Notification No. 7488 (F. No. 203/34/86-ITA.II) dated 25-8-1987 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income\_tax Act, 1961 read with rule 6 of the Incomex-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions:—
  - That Sri Aurobindo Society, Pondicherry will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
  - (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue) New Delhi and DGIT (Exemption) Colcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### INSTITUTION/ASSOCIATION

Sri Aurobindo Society, Society House, Pondicherry-605002

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8201/F. No. 203/113/88-ITA,IIJ

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1989

#### भायकर:

- का. था. 1710.—एस कार्यालय की विनांक 1-7-1987 की प्रधिमूचना मं. 7391 (फा. मं. 203/48/87-भा. कर नि.-II) के श्रनुकम में, सर्व साधारण की जानकारी के लिए एतवद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि विहिंग प्राधिकारी प्रथात बैकानिक और श्रीचोभिक श्रनुसंधान विभाग, नई विन्ली, ने निम्निजिश्वित संस्था को पायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (पैनीस/एक/धो) के प्रयोजनों के लिए "एमोसिएमन" प्रवर्ग के ग्रधीन निम्निज्ञित गर्मों पर भन्मोदित किया है: --
- (1) यह कि पुणे मेडिकल रियन् सोसायटो, पुणे अपने वैज्ञानिक श्रनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त एमोसिएशन अपने वैज्ञानिक अनुसंवान सर्वधी कार्य-कलापों की वाषिक विवरणी, विहिन प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रतिवध 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुन करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिक कथित किया जाए और उसे सुचिन किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त एसोसिएशन प्रपत्ती कुल ब्राय तथा व्यव दर्णाते हुए प्रपत्ते संपत्तीक्षित वार्षिक लेखों की तथा प्रपत्ती परिसम्पत्तियां, देनदारियां दर्णाते हुए जुलन-पत्र की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिक कारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन वस्तावेजों में से प्रस्यंग की एक एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ला, ब्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता तथा संबंधित श्रायकर श्रायकत के पास भेजेगा।
- (ii) यह कि उक्त एने सिएशन के स्रोध वस कर बोर्ड बित मंत्रालय राजस्व विभाग नर्ड दिल्ली तथा आयकर महानिवेशालय (सूट) कलकता को अनुमोदन का समाध्ति से पूर्व अतिरिक्त अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। अनुमोदन को समाध्ति को तारीख के पश्चास प्राप्त होने वाले आवेदन पत्नों को रह कर दिया जएगा।

# इंस्टीटयूशन/एसो[सएण न

पुणे मेडिकल रिगर्च ुमोसायटी, 27, सदाशिव पीठ, पुणे- 411030

यह भिध्सूचना दिनांक 1-4-1988 से 31-3-1989 तक की भवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 8220/फा. सं. 203/173/88 - आयकर नि.-H]]

### New Delhi, the 28th February, 1989

### INCOME-TAX

- S.O. 1716.—In continuation of this Office Notification No. 7391 (F. No. 203/48/87-ITA.II) daed 1-7-1987 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned helow has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions:—
  - (i) That Pune Medical Research Society, Pune will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

- (ii) That the said Association will furnish annual return; of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date or expiry of approval are liable to be rejected.

#### INSTITUTION/ASSOCIATION

Pune Medical Research Society, 27, Sadashiv Peth, Pune-411030

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8220/F. No. 203/173/88-ITA.II]

#### भ(यकर

का.  $\pi I. 1717$ —इस कार्यालय की विनांक 13-12-1988 की म्रधिमूचना सं. 7668 (फा. सं. 203/136/87—मा. कर नि.- $\Pi$ ) के भनुकम में, सर्व साधारण की जानकारी के लिए एनदहारा यह म्रधिमूचिन किया जाता है कि विहित प्राधिकारी भ्रषीन वैज्ञानिक भीर मौद्योगिक मनुमंगन विभाग नई दिल्ली, ने निम्निलिखन संस्था को म्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित मायकर म्रधिनियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (पैतीम/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "एसो-सिएशन" प्रवर्ग के भ्रधीन निम्निलिखन मती पर भ्रनुमोदिन किया है.

- (i) यह कि गुजरात रिसर्च सोसायटी, संगोधन सदन, रामकृष्ण मिणत माग, 16 खार रोड, बस्बई-- 52 घपने वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिए स्थय द्वारा प्राप्त राणियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त एसोसिएणन प्रपने वैज्ञानिक प्रनुसंबान संबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक जिबरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक जिल्लीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रारूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकथित किया जाए और उसे सुवित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त एमोसिएशन प्रथमी कुल प्राय तथा व्यय वर्णाते हुए प्रथमे संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा प्रपनी परिसम्पत्तियां, देनवारियां, दर्शाने हुए तुलत-पत्र की एक एक प्रति, प्रति वय 30 जून तक चिहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई विल्ली, प्रायकर महानिदेशक (पूट), कलकत्ता तथा संबंधित श्रायकर श्रायुक्त के पार क्षेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त एसोसिएणन केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली तथा प्राय कर महानिदेशक (छूट) कलकता को सनुसोदन की समाप्ति से प्रतिरिक्त प्रवधि बढ़ाने के लिए घावेदन करेगा। प्रमुसोदन की समाप्ति की नारीख के पश्चास प्राप्त होने वाले घावेदन पत्नों को रह कर विया जाएगा!

# इंस्टी इयूशन/एमो निएशन

गुजरात रिलर्च सोसायटी, संगोधन मदन, रामकृष्ण मार्ग, 16 खार रोड, बम्बई-53

यह ग्रधिसूचना दिनांक 1-4-1988 से 31-3-1989 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 8219/फा. सं. 203/15/89 - भाय)[कर नि-II

### New Delhi, the 28th February, 1989

### INCOME-TAX

S.O. 1717.—In continuation of this Office Notification No. 7668 (F. No. 203/136/87-ITA.II) dated 13-12-1988 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two/ of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) That Gujarat Research Society, Sanshodhan Sadar Ramakrishna Mission Marg, 16 Khar Road, Bombay-52 will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescirbed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Contral Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### INSTITUTION/ASSOCIATION

Gujarat Research Society Sanshodhan Sadan, Ramakrishna Mission Marg, 16 Khar Road, Bombay-52

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89

[No. 8219/F, No. 203/15/89-ITA.-II]

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1989

### (प्रायकर)

का.धा. 1718. — इस कार्यालय की दिनांक 15-9-86 की ग्रधि-सूचना सं. 6920 (फा.स. 203/146/86-मा.कर नि.-II) के अनुक्रम में, सर्व साधारण की जानकारी के लिए एत्रवृहारा यह ग्रधिसूषित किया जाता है कि विहिन प्राधिकारी ग्रथीन् वैज्ञानिक भौर श्रीधोणिक भनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखन संस्था को ग्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठिन भायकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) (पैतीम/एक/शे) के प्रयोजनों के लिए एसांशिएसन" प्रवर्ग के ग्रधीन निम्निलिखन गर्नी पर ग्रमुमोदिन किया है :---

- (1) यह कि जयरामदास पटेल साइंटियिक रिसर्च फाउडेपान, अस्यई स्रपने वैज्ञानिक भ्रतुसंघान के लिए स्वय द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त एमोसिएशन ग्रापने वैज्ञानिक श्रानुसंधान संबंधी कार्यकलापों की यार्थिक विवरणी, विहिन प्राधिकारी को प्रत्येक विज्ञीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तृत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ग्राधिकथित किया जाए ग्रीर उसे सूचित किया जाए।

(3) यह कि उक्त एसोमिएशन श्रपनी कुल श्राय तथा श्र्यय एकति हुए श्रान संपरीक्षित वार्षिक लेखों का तथा श्रपनी परिसम्पत्तिया, देन-दारियां दणित हुए तुलन-पन्न की एक एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून सक विहित श्राधिकारी के पास प्रस्कृत करेगा वता इस दस्तावेजों में मे प्रत्येक की एक-एक प्रति केश्रीय प्रत्येक कर वोर्ड, नई दिल्ली, प्रायकर महा-निवेशक (छूट), कलकत्ता तथा संयंधित श्रायकर श्रायुक्त के पास भेजेगा।

· <u>----</u> --- --- --

(4) यह कि उक्त एसोसिएशन केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग), नर्ड दिल्ली तथा धायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को धनुमोदन की समाध्ति से पूर्व धार्तिष्कत ध्रवधि बढ़ाने के लिए धावेदन करेगा धनुमोदन की समाध्ति की नारीख्य के पण्नात् प्राध्त होने बाले आवेदन पन्नों को रह कर दिया जायगा।

# इंस्टोट्युणन/एमोसिएणन

जयराम बास पटेल साइटिफिक रियर्च फाउण्डेशन, बग्बई

यह प्रधिसूचात दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 सक की प्रयधि के लिए प्रभावी है।

[मं. 8226/फा.सं 203/126/88-प्रायक्तर नि.-II]

# New Delhi, the 8th March, 1989

### INCOME-TAX

- S.O. 1718.—In continuation of this Office Notification No. 6920 (F. No. 203/146/86-ITA.II) dated 15-9-86 it is hereby notified for general information that the Institute mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions:—
  - (i) That Jayaramdas Patel Scientific Research Foundation, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Associat on will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
  - (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### INSTITUTION/ASSOCIATION

Jayaramdas Patel Scientific Research Foundation, Bombay.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8226/F. No. 203/126/88-ITA.II]

नई दिल्ली, 10 मार्चे, 1989

### भायकर

का.बा.1719.—इस कार्यालय की दिनांक 2-3-88 की ग्रधिसूचना मं. 7791 (फा.सं. 203/23/88-ब्राय कर नि.-II) के बनुक्रम में,

- मर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतयुद्धारा यह इतिराधित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी श्रथीत् वैज्ञानिक और श्रौद्योगिक अनुसद्धान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्मिलिखित संस्था को श्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) (पैतिस/एक/थी) के प्रयोजनों के लिए, "एसोसिएशन" प्रयो के श्रधीन निम्निलिखित शर्नी पर श्रनुमोदित विधा है :---
- (1) यह कि गणेश साईटिफिक रियार्च फाउंडेशन, 64-65 नजफगढ़ रोड, दिल्ती-110015 अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राणियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उपत एमोसिएणन अपने वैज्ञानिक अनुमंधान संबंधी कार्य कलापों की वार्षिक विवरणी, विहिन प्राधिकारी को प्रत्येक कितीय वर्ष के संबंध में प्रतिथर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपन्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिक कथित किया जाए ग्रीर उसे उचित किया जाए।
- (3) यह कि उपत एसोसिएशन भ्रमनी कुल भ्राय तथा व्यय दशित हुए भ्रमने संपरीक्षित वार्षिक लेखी की तथा भ्रमनी परिसम्पत्तियां, देन-दारियां दशित हुए तुलन-पत्न की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहिन प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष करे बोर्ड, सई विल्ली, भ्रायकर सहा-निदेशक (छूट), कलकत्ता तथा संबंधित भ्रायकर भ्रायुक्त के पास भेजेगा।
- (4) यह कि उक्त एसोसिएशन केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, विक्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली तथा आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को श्रनुमोदन की समाधि से तीन माह पूर्व मितिरिक्त भवधि बढ़ाने के लिए प्रावेदन करेगा भनुमोदन की समाधि की तारीख के पश्चात् प्राप्त होने वाले ग्रावेदन पत्नों को रह कर दिया आएगा।

# एसोसिएशन

गणेश साइंटिफिक, रिसर्च फाउंडेशन, 64-65, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-110015।

यह ऋधिसूचना विनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की भविध के लिए प्रभावी है।

[सं. 8231/फा.सं. 203/18/89-ग्रायकर नि-II]

New Delhi, the 10th March, 1989

### INCOME-TAX

- S.O. 1719.—In continuation of this Office Notification No. 7791 (F. No. 203/23/88-ITA.II) dated 2-3-88 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions:—
  - (i) That Ganesh Scientific Research Foundation, 64-65, Najafgath Road, New Delhi-110015 will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi,

- DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected

### INSTITUTION/ASSOCIATION

Ganesh Scientific Research Foundation, 64-65, Najafgarh Road, New Delhi-110015

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8231/F. No. 203/18/89-ITA.-II]

- (1) यह कि गांधी श्रम संस्थान, अहमदाबाद अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं बाग शास्त्र राशियों का पृथक केखा रखेगा।
- (2) यह कि जनत संस्थान श्रपने वैशानिक घानुसंधान संबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए श्रधिकथित किया जाए भीर उसे सुचित किया जाए।
- (3) यह कि उन्त संस्थान प्रपनी कुल प्राय तथा व्यय दणित हुए प्रपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा प्रपनी परिसम्पत्तियां, देनदारियां, दर्शाते हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक, विहिन प्राधिकारी के पास प्रस्तुन करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति फेन्द्रीय प्रत्यक्ष कर दें हैं, नई दिल्ली, प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता तथा संबंधिन अध्ययर प्रायक्त के पास भेजेगा।
- (1) यह कि उन्हर संस्थान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर योर्ड, धित मंद्रालय (राजण्य विभाग), नई दिल्ली तया ब्राइकर महानिदेशक (छूट), कलकला को अनुमोदन की समाध्य से पूर्व ब्रातिरिक्त क्रविध बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। अनुमोदन की समाध्य की तारीख के पश्चार्ष प्राप्त होने वाले आवेदन पत्नों को रह कर दिया जायगा।

### इस्टीट्यूणन

गांधी श्रम संस्थान, यलतेज रोष्ट, महमदाबाद-380062

यह यधिसूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की भ्रवंधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 8232/फा.सं. 203/158/88-भ्रायकर नि. II]

### INCOME-TAX

- S.O. 1720.—In continuation of this Office Notification No. 7377 (F. No. 203/2/87-ITA.II) dated 30-6-87 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of classe (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions:—
  - (i) That Gandhi Labour Institute, Ahmedabad will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### INSTITUTION/ASSOCIATION

Gandhi Labour Institute Thaltej Road, Ahmedabad-380062
This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8232/F. No. 203/153/88-ITA.II]

#### ध्रायकर

का. था. 1721. क्या कार्यालय की दिनांक 1-2-86 की प्रधिसूचना मं. 6591 (फा.सं. 203/122/86-प्राय कर नि -H) के प्रानुक्रम में, यर्थसाधारण की जानकारी के लिए एनक्द्वारा यह प्रधिसूचिन किया जाता है कि विहित प्राधिकारी धर्यात् वैज्ञानिक ग्रीर श्रीद्योगिक प्रमुगंशान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्निलिखिन संस्था को प्रायंकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित श्रायंकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) (पैतीस/एक/तीन) के प्रयोजनों के लिए "संस्था" प्रवर्ग के श्रधीन निम्निलिखत शर्तों पर श्रनुमोदित किया है :---

- (4) यह कि ग्राम प्रबंध संस्थान भ्रमने वैज्ञानिक श्रनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त संस्था भ्रपने वैज्ञानिक भ्रनुसंधान संबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक नियरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक विसीय वर्ष के संबंध में प्रतिथर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिक कथित किया जाए और उसे सुधित किया जाए।
- (3) यह कि उब्त संस्था ग्रपनी कुल ग्राय तथा त्यय दणित हुए ग्रपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की सथा ग्रपनी परिसम्पत्तियां, देनदारियां दणित हुए तुलन पत्न की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुन करेगा तथा इन वस्तावेजों में से प्रस्थेक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई बिल्ली, ग्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता तथा संबंधित ग्रायकर भागुनत के पास सेजेगा।
- (4) यह कि उक्त संस्था केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, विस्त गंद्रालय (राजस्य विभाग), नई दिल्ली तथा प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को प्रमुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व प्रतिरिक्त प्रविधि बढ़ाने के लिए प्राविदन करेगा प्रमुमोदन की समाप्ति की तारीख़ के पश्चाग् प्राप्त होने वाले प्रावेदन पक्षों को रद्द कर दिया जायेगा।

### इंस्टीट्युशन

ग्राम प्रबंध संस्थान, पोस्ट बाक्स नं. 6, गुजरात-38001।

यह प्रश्चिम् चना विनांक 1-4-88 से 31-3-1989 तक की प्रविध के लिए प्रभावी है।

[मं. 8233/फा.सं. 203/183/88 भ्रायकरनि-II]

### JNCOME-TAX

- S.O. 1721.—In continuation of this Office Notification No. 6591 (F. No. 203/122/85-ITA.II) dated 1-2-86 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions:—
  - (i) That Institute of Rural Management, Anand, Ahmedabad will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every linancial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
  - (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### INSTITUTION/ASSOCIATION

Institute of Rural Management, Post Box No. 6, Anand, Gujarat-388001

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8233/F. No. 203/183/88-[TA.II]

नर्र दिल्ती, 11मार्च, 1989

#### प्रायक्ष

का या 1722 - ज्या वार्यालय की दिनौंक 18-4-85 की अधिमुचना में. 6196 (फा.मं. 203/45/85 या करिन -2) के अनुकार में. सर्व सायारण की जानकारी के लिए एनइद्वारा यह अधिस्वित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात वैज्ञानिक और भीजोगिक अनुमंधान विभाग, नई विल्ली, ने निस्नलिखित सस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की बारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) (पेंतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "एमोसिएशन" प्रवर्ग के प्रजीन निस्नलिखित एनों पर प्रतमीदित करा है।

- (1) यह कि जगदाल साइटिफिक रिसर्च फाउंडेशन बंगलौर ब्रापन वैज्ञालिक सन्मंधान के लिए स्त्रयं द्वारा प्राप्त राणियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त एसोसिएणन धपने बैजानिक अनुसंधान मंबंधी कार्य-कलाणे की दार्षिक विषरणी, बिहिन प्राधिकारी को प्रत्येक विकीत वर्ष के मंबंध में प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्राप्तों में प्रस्तत करेगा को इस प्रयोजन के लिए पश्चित किया जाए और उसे सुचित किया काए।
- (४) यह ि उक्त एसोसिएणन प्रपत्ती कुल आय तथा बस्य देणीते हुए प्रपत्ते संदरीक्षित वार्षिकः लेली की तथा प्रपत्ती परिसस्पत्तियों, देत-दारियों दर्णाते हुए त्लक्नपत्ते की एक प्रित, प्रिति वर्ष ४० जन दक्ष विद्या प्रधिवारी के पास प्रस्तृत करेगा तथा इन दरतायेजों से से प्रस्तेक 1938 GI/89—2.

\_\_\_\_\_ का एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली, याप्रकर महानिदेणक (ছেट), কলকলা নথা মৰ্থান প্ৰথেক্য প্ৰাযুক্ত के पास भेजेगा।

(4) यह कि उस्त एसोसिएशन फैन्द्रीक्ष प्रस्था कर बोर्ड, विस्त महालय(शक्तस्य विभाग), नई दिल्ली तथा आयकर महानिदेशका (छूट), कलकत्ता को अनुमादन की समाध्ति से पूर्व आवेदन करेगा। अनुमोदन की ममाध्ति की जारीख के पण्यान् प्राप्त होने बार्व प्राप्त को रह कर दिया जाएगा।

### **ग्मोगिग्ग**न

जगदाले साईटिफिक रिसर्च फाउडेणन नेपांगी टेक रोड, बंगलार । यह प्रक्षिपूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की श्रविध के लिए प्रभावी है ।

[सं. 8338 फा. सं. 203/155/ ४८-प्राप्तकर नि.-H]

New Delhi, the 14th March, 1989

#### INCOME TAX

- S.O. 1722.—In continuation of this Office Notification No. 6199 (F. No. 203|45|85-ITA.II) dated 18-4-85 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions:—
  - (i) That Jagdale Scientific Research Foundation, Bangalore will maintain a separate account of the sum received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income, and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes. New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Income-tax.
  - That the said Association will apply to Cential Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue). New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### ASSOCIATION

Lagdale Scientific Research Foundation, Sampangi Tank Road, Bangalore,

This Notification is effective for a period from 1-4-88 31/3-89.

[No. 8238]F. No. 203'155!88-ITA.II]

नई दिल्ली 17 मार्च, 1989 🔌

### भागकर

का आ 1723 - इस कार्यालय की बिनांन 6-4-1987 की प्रधिस्**य**ना सं. 7220 (फा.सं. 203/180/86-आ:कर नि -H)के चनकम में. सर्व भाजारण की जानकारी के लिए एउंद्रुबारा यह श्रधिस्**जिस किया जाता है** कि बिटिन प्राधिकारी धर्योत् वैज्ञानिक और श्रौद्योगिक भन्मधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्निनिधित संस्था को द्यायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित प्राथकर द्याधिनयम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) (पेतीस/एक/बो) के प्रयोजनों के लिए एमीरिएणन प्रवर्ग के प्रधीन निम्निलिधित णर्नी पर अनुमोदिन किया है :---

- (i) यह कि सेंटर फार बाटर रिलोसिज डिवेलपमेट एण्ड मैनेजमेंट, कुल्तामंगलम (केरल) अपने वैज्ञालिक अनुसंधान के लिए स्वयं हारा प्राप्त रागियों का प्रथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त एसोमिएणन अपने वैज्ञानिक अनुसंघान संबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक विसीय वर्ष के संबंध मेप्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिक कथित किया जाए और उसे मुचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त एसोसिएणन यपनी कुल काय तथा व्यय दर्णात कुए अपने संपरीक्षित वाधिक लेखों की तथा अपनी परिसम्पत्तिया, देन-दान्यां दर्णात वर्णाते हुए जुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रीन वर्ष 30 जून तक विद्वित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन वस्तावेणों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोई, नई विल्ली, आयकर महानिवेणक (छट), कलकता तथा संबंधित आयकर आयुक्त के पास भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त एसोसिएशन केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, बिल मंत्रालय (राजस्य विभाग), नई दिल्ली तथा आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को धनुमोवन की समाप्ति से पूर्व असिरिक्त अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा । अनुमोवन की समाप्ति की तारीख के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदन पत्नों को एह कर दिया आएगा।

### एसोसिएशन

सेंटर फार बाटर रिसोसिंज डिवेलपमेंट एण्ड मैनेजमेंट, कुम्नामंगलम (एम.बी. बार.) कोसीकोड़े, केरल

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की प्रविधि के सिए प्रभावी है।

[सं. 8251/का.सं. 203/305/88-ग्रायकर नि-II]

### New Delhi, the 17th March, 1989

### INCOME TAX

- S.O. 1723.—In continuation of this Office Notification No. 7220 (F. No. 203|186|86-ITA.H) dated 6-4-1987 it is hereby notified for general information that the Institution menitoned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Sectron 25 (Thirty Five|One|Viv) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rule, 1962 ander the Category "Association" subject to the following conditions:—
  - (i) That Centre for Water Resources Development and Management, Kunnamangalam (Kerala) will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes. New Delhi, DGIT (Exemption) Calcuttat and the concerned Commissioner of Income-tax.
  - (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT

(Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

#### ASSOCIATION

Centre for Water Resources Development and Management Kunnamagalam (MBR) Kozhikode, Kerala.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8251]F.No. 203(305)88-ITA.II]

#### श्रायकर

का. प्रा. 1724. → एस नार्यालय की िनामः 20-11-1986 की विश्वसूचना सं. 7019 (फा.सं. 203/229/80-%) कर मि-H) के अनुक्रम में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एसद्वारा यह अधिसूचिन किया जाता है कि शिष्टित प्राधिकारी अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नर्र दिल्ली, ने निम्निलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पिटन आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) (पेंतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "एसीमिएणन" प्रवर्ग के अधीन निम्निलिखित सर्वो पर अनुमोदिस किया है:--

- (i) यह कि साह इंडस्ट्रियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, बाराणसी भ्रपने वैकानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त एसोसिएशन अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी, विद्वित प्राधिकारी को प्रत्येक विद्वीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिक कथित किया जाए और उसे मृबित किया जाए।
- (iii) यह कि उन्त एसोसिए सम अपनी कुल भाग तथा अयय दर्जाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसम्पत्तियां, देनवारियां दर्शाते हुए तुनम-पत्र की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहिस प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई विष्टा, आयकर महानिवेशक (छूट), कलकता तथा संबंधित भायकर प्रायुक्त के पास भेजेगा।
- (iv) यह कि उकत एसोसिएसन केन्द्रीय प्रतःश कर बोर्ड, विक्त कंख्रालय (राजस्व धिभाग), नई दिल्ली नया झायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को झनुमोदन की ममाप्ति से पूर्व ख्रितिरिक्त अविध बढ़ाने के लिए ख्रावेदन करेगा । झनुमोदन की ममाप्ति की तारीख के पक्क्याम् प्राप्त होने बाले खावेदन पत्नों को रह कर दिया आएगा।

# इंस्टोट्यशन/एसोमिएशन

साह इंडस्ट्रियल रिसर्च इंस्टीट्य्ट मा. 15/171, गौतम बुद्ध राजपथ भारताय, वारागसी-221007

यह प्रधिसूचना विनांक 1-4-88 में 31-3-89 तक की प्रावधि के लिए प्रभावी है ।

[मं. 8254/फा.मं. 203/169/88-प्रायकर नि.-II]

### INCOME TAX

S.O. 1724.—In continuation of this Office Notification No. 7019 (F. No. 203|229|86-ITA.II) duted 20-11-1986 it is hereby notified for general information, that the Institution menitoned Lelow has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 Thirty Five|One,Two) of the Income-tax Act, 1961, read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962

ander the Craek ry "Association' subject to the following conditions:—

- (i) That Sah Industrial Research Institute, Varanasi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets, liabilities with a copy of each of those documents to the Central Boald of Direct Taxes New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liabble to be rejected.

### **ASSOCIATION**

Sah Industrial Research Institute, Sa. 15/171, Gautam Buddha Rajpath Sarnath-Varanasi-221007.

This notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8254/F. No. 203/169(68-ITA, II)]

#### नई दिल्ली, 27 मार्च, 1989

### भायकर,

का. भा. 1725- इस कार्यालय की दिनांक 1-5-87 की मधिसूचना सं. 7266 (फा.सं. 203/123/86-मायकर नि.-ii) के प्रनुक्रम में, सर्वे साधारण की जानकारी के लिए एतव्हारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् वैज्ञानिक भौर प्रीक्षोगिक प्रमुसंघान विभाग नई विस्ती, ने निम्मलिखिन संस्था को प्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पटिन भायकर प्रधिनियम, 1961 की बारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) (पेंतीस/एक/वो) के प्रयोजनों के लिए "इंस्टीट्यूशन" प्रवर्ग के मधीन निम्नलिखित शर्तों पर मनुमोदित किया है :----

- (i) यह कि पान एशियन मैनेजमेंट एंड एउल रिसर्च धार्येनाइजेशन, नई बिल्ली ध्रपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त रामियों का प्रक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त इंस्टोट्यूट ध्रपने वैकानिक मनुसंधान संबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी. विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष ३। मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिक कथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त इंस्टीट्यूट प्रपत्ती कुल प्राय तथा व्यय वर्णात हुए प्रपत्ते संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा प्रपत्ती परिसम्पत्तियाँ, वेनवारियां वर्णाते हुए तुलनपक्ष की एक-एक प्रति प्रति वर्ष 30 जून तक बिहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई पिल्ली ग्रायकर महानिदेणक (छूट), कलकत्ता तथा संबंधित ग्रायकर मागुक्त के पास भेजेगा।
- (iV) यह कि उक्त इंस्टीट्यूट केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, किस मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई विस्ती तथा प्रायकर महासिदेशक (छूट), कलकसा की प्रमुगेदन की समाप्ति से पूर्व असिप्तित प्रवधि बढ़ाने के क्षिए प्रावेदन यटाने के लिए प्रावेदन परेगा। प्रमुगोदन की समाप्ति की नारीख के पश्चात् प्राप्त होने वाले प्रावेदन पत्नों की रद्द कर दिया जाएगा।

# इंस्टीट्यूशन/एसोसिएशन

पान पृक्षियन मैनेजमेंट रुरल रिमर्च प्रार्गेनाइजेशन, उती. /22, रोहतक राड, नई दिल्ली

यह मिस्सूचना विनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की मधि के लिए प्रभारी है।

[मं. 8285/फा.सं. 203/31/89-मायकर नि.-II]

# New Delhi, the 27th March, 1989

### INCOME TAX

S.O. 1725.—In continuation of this Office Notification No. 7266 (F. No. 203/123/86-ITA II) dated 1-5-1987 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions —

- (i) That Pan Asian Management and Rural Research Organisation, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific rtsearch activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May, each year...
- (iiii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGTT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

# INSTITUTION

Pan Asian Management and Rural Research Organisation, 3C/22, Rohtak Road, New Delhi-5. This Notification is effective for a period from 1-4-1988 to 31-3-1989.

[No. 8285/F. No. 203/31/89-ITA, II]

# मई विल्ली, 28 मार्च, 1989

### भायकर

का. मा. 1726.—इस कार्यालय की विनांक 20-3-86 की प्रधि-सूचना मं. 6625 (फा. सं. 203/69/85-प्रा.कर नि.-II) के प्रनुक्रम में, सर्व साधारण की जानकारों के लिए एपट्डारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि बिहित प्राधिकारी प्रयांत् वैज्ञानिक और भौधोगिक प्रनुसंधान विभाग, नई विल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को भायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की जपधारा (i) के खंड (ii) (पैतीस/एक/तीन) के प्रयोजनों के लिए "इंस्टीट्यूणन" प्रवर्ग के प्रधीम निम्नलिखित एतीं पर भनुमोदित किया है:---

 (i) यह कि इंस्टीटयूट भ्राफ मैनेजमेंट इन गवर्नमेंट, तिबैंकम भ्रापने वैज्ञानिक श्रनुसंघान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राणियों का पृथक लेखाः रखेगा।

- (ii) यह कि उक्त इंस्टी स्यूट अपने वैज्ञानिक धन्संधान संबंधी कार्य-क पो की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्ताय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 पर्द तक ऐसे प्रपन्नों में प्रस्कृत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिक कथित किया आए और उसे मूचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त इंस्टीच्यूट अपनी मुल आय तथा व्यय दर्गाते हुए भ्रपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों क<sup>ः</sup> तथा श्रपनी परिसंपत्तियां वेनदारियां दर्शान हुए नुलन-पत्न की एक-एक प्रति प्रतिवर्ष 30 जून सक बिहिल प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेशी में से प्रत्येक की एक-एक प्रतिकेन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता मथा संबंधित ग्रायकर ग्रामुक्त के पास भेजेंगे।
- (iv) यह कि उक्त इंस्टीच्यूट केन्द्रीय प्रस्थक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्त्र विभाग), নই বিল্লী শ্বাযেকাर महानिदेशक (ভূट), कलकत्ता को प्रमुमोदन की समाप्ति से पूर्व ग्रातिरिक्त प्रविध बढ़ाने के लिए ग्रावेदन करेगा अनुमोदन की समाप्ति की तारीख के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदन पत्नो की रह कर दिया जाएगा।

### इस्टीट्यूशन

इस्टी ब्यूट घश्फ मैंनजमेट इन गवर्नमेट, बॉटन, खिवेद्रम-69 50 37 यह ग्रधिमुचना दिनांक !-4-88 में 31-3-89 तक की भ्रवधि के लिए प्रभावी है।

[मं. 8290/फा.स. 203/34/89-प्रायकर-**Ш**]

New Delhi, the 28th March, 1989

### INCOME TAX

- S.O. 1726.—In continuation of this Office Notification No. 6625 (F. No. 203/69/85-ITA, II) dated 20-3-1986 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below hits been approved by Department of Chief and Alexander Delbi, the Prescribed Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following words: conditions -
  - That Institute of Management in Government, Trivandrum will maintain a separate account of the sums received by it for scientific reasearch. (i)
  - (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May, each year.
  - (iiii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these ing its assets, liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Income-tax.
  - That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

# **INSTITUTION**

Institute of Management in Government, Barton, Trivan-drum-695037. This Ngotification is effective for a period from 1-4-1988 to 31-3-1989.

[No. 8290/F. No. 203/34/89-ITA, 11]

#### ग्रायकर

- का. प्रा 1727.---इस कार्यालय की विनांक 18-4-86 की अधि-मूचना सं. 6678 (फा. सं. 203/217/85-प्राक्तर नि-II) के अनुक्रम में, सर्व माधारण की जानकारी के लिए एत्रब्द्वारा यह अधिभृषित किया जाता है कि बिहित प्राधिकारी अथित् वैज्ञानिक ग्रीर अनुसंवान विभाग, नई विल्ली, ने निम्तिबिक्त संस्था को श्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित प्रायकर ऋधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपवारा (1) के खंड (ii) (पैतीस/एक/तीन) के प्रयोजनों के लिए "इस्टीट्यूशन" प्रथम के अधीन निम्नलिखित गर्नो पर अनुमोदिन किया है :---
- (i) यह कि स्वामी रामानन्द तीर्थ इस्टीटयट ग्राफ मोणल-एकना-भिवस रिसर्च एंड नेमानल इंटीग्रेशन, हैदराबाद अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक् लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त इंटीच्यूट अपने वैज्ञानिक अनुसंधान गंबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक विसीय वर्ष के सबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों मे प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए कथित किया जाए ग्रीर उसे सुचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त इंस्टीच्यूट अपनी कुल आब तया व्यय दर्शात हुए भ्रपने संपरीक्षित वार्षिक लेखो की तथा श्रपनी परिमंगत्तिया, देनदारियां वर्णाते हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जुन बिहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रस्थेत की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली, प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता तथा संबंधित ग्रायकर प्रायुक्त केपास भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त इंस्टीटयुट केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, बिल मंद्रालय (राजस्य विभाग), नई विस्ती सथा ग्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की अनुमोदन की समाप्ति से पूर्व अतिरिक्त अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करंगा अनुमादन की समाप्ति की तारीख के पक्ष्मात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्नों को रह कर विया जाएगा।

# इंस्टोट्यूशन/एसोसिएशन

स्वामी रामानन्द सीर्थ इंस्टीच्युट प्राफ सोशल इक्तनामिक्स रिसर्च एंड नेणनल इंट्रीग्रेशन, पतंग बिल्डिंग 4-4-266, सूलतान बाजार, हैवराबाद।

यह प्रधिमूचना विनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की प्रविध के लिए प्रभावी है।

[सं. 8292/फा.स. 203/39/89-भायकर नि०-**1**]]

### INCOME TAX

- S.O. 1727.—In continuation of this Office Notification No. 6678 (F. No. 203/217/85-ITA. II) dated 18-4-1986 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act. 1961, read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions :-
  - (i) That Swami Ramanand Teerth Institute of Socio-Economics Research and National Integration, Hyderabad will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May, each year...
  - (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th lune each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets, liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes,

New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Income-tax.

(iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### INSTITUTION

Swami Ramanand Teerth Institute of Socio-Economic Research and National Integration, PATANGE BUILDING. 4-4-266, Sultan Bazar, Hyderabad.

This Notification is effective for a period from 1-4-1988 to 31-3-1989.

[No. 8292/F. No. 203/39/89-JTA. II]

#### **प्रा**यकर

का. आ. 1728 — इस कार्यालय की दिनांक 7-8-86 की प्रधिसूचना मं. 6849 (फा. सं. 203/13/86-प्रा.कर नि.-11) के प्रमुकम में, सर्व-साक्षरण की जामकारों के लिए एतद्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी प्रयात् वैज्ञानिक और भीर्यागिक प्रमुसंघान विभाग, नर्ह दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को प्रायकर निजम 1962 के नियम 6 के साथ पठित धायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (11) पैनीस/एक/नीन) के प्रयोजनों के लिए "इंस्टोट्यूणन" प्रयमें के अधीन निम्नलिखित णर्मी पर अनुमोदित किया है .--

- (i) यह कि दी ईएफ प्रार्ड सोशियल एंड लेबर रिसर्च फाउण्डेशन, बम्बई प्रपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त इंस्टी ब्यूट प्रपने बैशानिक श्रनुसंघान संबंधी कार्य-कलामों की वार्षिक विवरणी, विद्वित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्पुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधि कथिन किया जाए श्रोर उसे सुचित किया जाए।
- (iii) यह कि उन्तर इंस्टीच्यूट अपनी कुल आय तथा व्यव दशित हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक तेल्यों की तथा अपनी परिसंगत्तियों, देनवारियों देणींते हुए त्लिन-पत्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून राक विहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दरनात्रेणों में से प्रस्योक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक कर दोई, नई दिल्ली, प्राथकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता तथा संबंधित श्रीयकर श्रायुक्त के पास भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त इंग्स्टीब्यूट केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त संद्रालय (राजस्य विभाग), नई दिल्ली तथा प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकला को अनुभोदन की समाप्ति ने पूर्व प्रांतिरक्त ग्रवधि बढ़ाने के लिए प्रावेदन करेगा प्रमुशोदन की समाप्ति की सारीख़ के पण्यात् प्राप्त होने वाले प्रावेदना पत्नी की रह कर दिया जाएगा।

# इंस्टाट्**य्**यन/एसोन्पिर्णन

र्द। ई. एफ. प्राई सोशियल एड लेखर रिसच फाउण्डेशन, बम्बई

अह प्रधिसूचना दिनाक 1-4-88 से 31-3-89 तक को प्रवधि के खिए भावी है।

[मं ४२९३/का.सं. २०३/४०/४३-ग्रायकर नि.-11]

# INCOME TAX

S.O. 1728,—In continuation of this Office Notification No. 6849 (F. No. 203/13/86-ITA, II) dated 7-8-1986 it is hereby notified for general information that the Institu-

tion mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions,—

- (i) That the EFI Social and Labour Research Foundation, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May, each year...
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes. New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the explry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### INSTITUTION

The EFI Social and Labour Research Foundation, Bombay. This Notification is effective for a period from 1-4-1988 to 31-3-1989.

[No. 8293/F. No. 203/40/89-ITA, II]

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1989

### ग्रायकर

का. था. 1729.--इस कार्यालय की दिलांग 3-9-87 की अधिसूचना यां. 7501 [का. म. 203/142/87-श्राकर नि.-II] के अनुक्रम में, गर्ब साधारण की जानकारों के लिए एत्द्यारा यह अधिसूचित किया जाता है कि विष्ठित प्राधितारी श्रयीत कैजानिक सार श्रीधोगिक अनुसंदान विभाग, नई दिल्ली, ने निस्नलिखन संस्था को धायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ परित अध्यकर श्रिप्तियम, 1961 की भ्रारा 35 की उपधारा (i) के खड़ (ii) (पैंगीत/एक/नीन) के प्रशोजनों के लिए "एसोसिएशन" प्रयम के अधीन निस्नलिखन गर्मी पर अनुसीवित किया है --

- (i) यह ि छं: पटणी. साईटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिमर्थ, अस्बई प्रपत्ने अज्ञानिक प्रनृमंश्वान के लिए स्वय द्वारा प्राप्त राणियों का पृथक लेखा रखेगा:
- (ii) यह कि उक्त एसोमिएणन ध्रपन बैज्ञानिक ध्रनुसंघान संबंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी, बिहित प्राधिकारी को प्रस्पेक विसीय वर्षे क संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सुचित किया जाए।
- (iii) यह कि उन्तर एमोसिएणन प्रमनी कृत प्राय तथा व्यय दर्णाते हुए प्रमने संगरीक्षित वार्षिक लेखों को तथा प्रमनी परिसंगितिया, देनदारियां दशित हुए सुमन-पन की एक-एक प्रति, प्रतिवय 30 जून तक विक्रित प्राधिकारी के प्राम प्रस्तृत करणा तथा इन दस्तावेजों से से प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्येक करणा तथा इन दस्तावेजों से से प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्येक वर्ष बंदि, नई दिग्नी, श्रीयकर ग्रहानिदेशक (खूट) गलकत्ता तथा संबंधित प्रायकर श्रायुक्त के पाग सेजीगा।

ं (ii) यह कि उन्न एसोसिएणमें केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, क्लि मंद्रा-लय (राजस्व विभाग) नई दिल्लों तथा प्रायकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को प्रमुमोदन की समाप्ति से पूर्व श्रितिरिक्स प्रविध बदाने के लिए प्रावेदन करेगा श्रमुमोदन की समाप्ति की नारीख के पश्चास् प्राप्त होने वाले प्रावेदन पत्नों को रह कर दिया जाएगा।

# इंस्टीट्यूशन/एमॉसिएशन

को पतानी साइटिफिक एंड इंडिस्ट्रियल रिसर्च, पातानी किन्ला, महा-काली रोड, प्रंबेरी (ईस्ट) बस्बई-400093।

यह प्रश्चिसूचना विनांक 1-3-88 से 31-3-89 तक की भावधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 8302/फा.सं 203/196/88-प्रायक्तर नि.-II]

### INCOME TAX

### New Delhi, the 30th March, 1989

- S.O. 1729.—In continuation of this Office Notification No. 7501 (F. No. 203/142/87-ITA. II) dated 3-9-1987 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|One|Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions:—
  - (i) That Dr. Patani, Scientific & Industrial Research, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their studited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Texes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Incometax.
  - (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

### **ASSOCIATION**

Dr. Patani, Scientific & Industrial Research, Patani Villa, Mahakali Road, Andheri (East), Bombay-400093.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8302]F.No. 203[196]88-ITA,[1]

### भायकर

का. मा 1730---एम कार्यालय की विनाक 1-7-87 की अधि-मूचमा सं. 7395 (फा. सं. 203/233/80-- म्रा. कर नि -II) के भ्रमुकम मं, सर्व-साधारण की जानकारी के लिए एतवृद्धारा यह भ्रधिसूचिन किया जाता है कि विद्धित प्राधिकारी प्रार्थात् नैज्ञानिक और भौद्योगिक अनुसंधान विभाग, सर्व विल्ली, ने निम्निखिस संस्था की प्राथकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उप-

- घारः (i) के खण्ड (ii) (पैंसीमाग्पकादीक्षित) के प्रयोजमों के लिए "इंस्टीट्यूणन" प्रवर्ग के श्रधीन निम्निसिखन णनों पर धनुमीदिन किया है:---
- (1) यह कि युनाइटेड प्लोटर्स एसोभिएशन झॉफ साउदर्भ इंग्डिया, कुन्य अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशि का लेखा रखेगा।
- (2) यह कि जन्म इंस्टीच्यूट ध्रपने वैज्ञानिक यनुसंधान सम्बंधी कार्य-कलापो की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी की प्रत्येक वित्तीय वर्ष के सम्बन्ध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपन्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकथित किया जाए और उसे सुनित किया आए।
- (3) यह कि उक्त इस्टीच्यूट अपनी कुल प्राय तथा व्यय दशित हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसम्पत्तियां, देन-यारियां दशित हुए सुलन-पक्ष की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विह्न प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों से से प्रत्येक को एक-एक प्रति केरप्रेथ प्रस्थक-कर बीबे, नई विल्ली, आयकर महा-निदेशक (छूट), कानकत्ता तथा सम्बंधित सामकर प्रायुक्त के पास भेजेगा।
- (4) यह कि उक्त इंरटीच्यूट केर्न्झाय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, विक्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ही तथा प्रायंकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को अनुमोवन की समाप्ति सं पूर्व प्रतिरिक्त अवधि बंकाने के लिए प्रायेवन करेगा, अनुमोवन की समाप्ति की तारीख के परवाल् प्राप्त होने वाले शाबेदनपक्षों को रह कर दिया जाएगा।

# इंस्टीट्यूशन

युनाक्ष्टेड प्लांटर्स एमोमिएशन झांफ साउदर्न इण्डिया, पौ म. नं. 11, म्लेनव्यू, कुनूर

यह श्रिधसूचना दिनाक 1-1-89 से 31-3-89 तक की प्रविध के लिए भार्था है।

[मं. 8304/फा. म. 203/50/89-आयकर नि.-II]

### INCOME TAX

- S.O. 1730.—In continuation of this Office Notification No. 7395 (F. No. 203/233/86-ITA. II) dated 1-7-1987 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|One|Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions:
  - (i) That United Planters Association of Southern India, Cooper will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be leid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their studited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes. New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Incometax.
  - (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemp-

tion) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

#### INSTITUTION

United Planters Association of Southern India, Post Box No. 11, Glenview, Coonoor-1.

This Notification is effective for a period from 1-1-89 to 31-3-89.

[No. 8304/F. No. 203/50/89-ITA, II]

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1989

#### श्रायकर

- का. ग्रा. 1731. इस कार्यालय की दिनांक 22-9-86 की ग्रिधिसूचना सं. 6931 (फा.सं. 203/145/86—ग्रायकर नि. II के अनुक्रम में, सर्व-साधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा यह ग्रिधिसूचित किया जाता है कि बिहित प्राधिकारी अर्थात् वैज्ञानिक ग्रीर ग्रीकोणिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को भ्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) (पैतीस/एक/दो)के प्रयोजनों के लिए "इस्स्टीट्य्शन" प्रवर्ग के ग्रिधीन निम्नलिखित शर्ती पर श्रनुमोदित किया है :—-
- (1) यह कि विवेकानंद मेडिकल रिसर्च सोसायटी, लाट्टर, (महाराष्ट्र) अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त इस्स्टीच्यूट ग्रपने वैज्ञानिक श्रनुसंधान सम्बंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक विस्तीय क्षम के सम्बन्ध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ग्रधिकथित किया जाए ग्रीर उसे सुचित किया आए।
- (3) यह कि उन्त इन्स्टीच्यूट अपनी कुल श्राय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसम्पत्तियां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर वोर्ड, नई दिल्ली, श्रायकर महानिदेगक (छूट), कलकत्ता तथा सम्बंधित आयकर श्रायुक्त के पास भेजेगा।
- (4) यह कि उक्त इन्स्टीच्यूट केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली तथा श्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता क्रो अनुमोदन की समाप्ति से पूर्व श्रितिरिक्त श्रवधि बढ़ाने के लिए श्रावदन करेगा, श्रनुमोदन की समाप्ति की तारीख के पण्चात् प्राप्त होने वाले श्रावेदनपत्नों को रह कर दिया जाएगा।

# इंग्टीट्यूणन

विवेकानंद मेडिकल रिसर्च सोसायटी, लाट्र, (महाराष्ट्र)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

सिं. 8313/फा. सं. 203/51/89-ग्रायकर नि.-III

### INCOME TAX

### New Delhi, the 31st March, 1989

S.O. 1731.—In continuation of this Office Notification No. 6931 (F. No. 203]145[86-ITA.II) dated 22-9-1986 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research. New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1)

- of Section 35 (Thirty Five One Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions:—
  - (i) That Vivekanand Medical Research Society, Latur, (Maharashtra) will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Incometax.
  - (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

#### INSTITUTION

Vivekanand Medical Research Society, Latur, (Maharashtra).

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8313|F.No. 203|51|89-ITA II]

नई दिल्ली, 5 ग्राप्रैल, 1989

### श्रायकर

का. था. 1732.--इस कार्यालय की दिनांक 29-12-1986 की अधिसूचना सं. 7078 (का. सं. 203/99/86--आ. कर नि.-II) के अनुक्रम में, सर्व-साधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी प्रश्नीत् वैज्ञानिक और श्रीचौणिक अधिक्याला, नई दिल्ली, ने निम्निलिखित संस्था को अधिकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आधकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) (पैतीस/एक/तीन) के प्रयोजनों के लिए "इंस्टीट्यूशन" प्रवर्ग के अधीन निम्निलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है :---

- (1) यह कि पीपल्स इंस्टीच्यूट फार डिवेलपमेंट एण्ड ट्रेनिंग, नई दिल्ली अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त इंस्टीच्यूट अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बंधी कार्य-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के सम्बन्ध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (3) यह कि उक्त इंस्टीच्यूट ग्रपनी कुल ग्राय तथा व्यय दशति हुए ग्रपने संपरीक्षित वाधिक लेखों की तथा ग्रपनी परिसम्पत्तियां, देनदारियां दशित हुए तुलक-पत्न की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित्त प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा एक इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति केनद्रीय प्रत्रका-वार दोई नई दिल्ली, ग्रायकार महानिदेशक (छूट), कलकत्ता तथा सम्बंधित ग्रायकार ग्रायुक्त के पास भेजेगा।
- (4) यह कि उक्त इंग्टीच्यूट केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, बिल मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली ाया ब्रावकर महातिदेशक (छूट), कलकता

, को अनुकोइन की समाध्य से तीन माह पूर्व अिस्कित अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा अनुमोदन की समाध्य की तारीख के पश्चात् प्राप्त होने बाले आवेदन पत्नों को रह कर दिया जाएगा ।

# इंस्टोट्यू बन्।ए ते सियं अन

**पीपल्स इंस्टीच्यूट** फॉर डिवेजपमेंट एण्ड ट्रेनिंग, नई दिल्ली

यह ग्रिधिसूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 8323/फा. सं. 203/58/89--- श्रायकर नि.-II]

# New Delhi, the 5th April, 1989

#### INCOME TAX

- S.O. 1732.—In continuation of this Office Notification No. 7078 (F. No. 203|99|86-ITA.II) dated 29-12-1986 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|One|Two) of the Income-tax Act 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category Institution subject to the following conditions:
  - (i) That People's Institute for Development & Training, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Incometax.
  - (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

# INSTITUTION

People's Institute for Development & Training, New Delhi.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8323/F. No. 203/58/89-ITA, II]

#### श्रायकर

का. या. 173.4.--इस कार्यालय की दिनांक 18-2-88 की ग्रधि-सूचना सं. 7779 (फा.सं. 203/229/87---आ. कर नि.-II) के अनुकम में, सर्व साधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् वैज्ञानित और औद्योगित अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (i) (पैतीस/एक/नीन) के प्रयोजनों के लिए "इंस्टीट्य्शन" अवर्ष के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है :---

(1) यह कि स्टैंटिस्टिकल पब्लिशिंग सोसायटी, 204/1, बैरकपुर ट्रंक रोड, कलकत्ता-700035 श्रपने वैज्ञानिक श्रनुसंवान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों कापथक लेखा रखेगा।

- (2) यह कि उनत इंस्टीच्यूट अपने वैज्ञातिक अनुसंधान सम्बंधी कार्यकलापों की वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के सम्बन्ध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (3) यह कि उन्हा इंस्टीच्यूट अपनी कुल आय तथा व्यय दशति हुए अपने संपरीक्षित वाधिक लेखों की तथा अपनी परिसम्पत्तियां, देनदारियां अदिश्कृति हुए जुलन-अस् कि एक प्रति अर्था इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोड, नई दिल्ली, आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता तथा सम्बंधित आयकर आयुक्त के पास भेजेगा।
  - (4) यह कि उक्त इंस्टीच्यूट केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली तथा आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को अनुमोदन की समाप्ति सेतीन माह पूर्व अतिरिक्त अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा अनुमोदन की समाप्ति की तारीख के पण्चात् प्राप्त होने वाले आवेदन पन्नों को रह कर दिया जाएगा।

### इंस्टीट्युशन

स्टेटिस्किल पब्लिशिगः सोसायटी, कलकत्ता

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 8324/फा. इ. 203/52/89-स्रायकर नि.-II]

### New Delhi, the 5th April, 1989

### INCOME TAX

S.O. 1733.—In continuation of this Office Notification No. 7779 (F. No. 203/229/87-TA. II) dated 18-2-1988 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category Institute subject to the following conditions:

- (i) That Statistical Publishing Society, 2041, Barrack-pore Trunk Road, Calcutta-700035 will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes. New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Incometax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected,

### INSTITUTION

Stratistical Publishing Society, Calcutta.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8324/F. No. 203/52/89-ITA.ll]

### नई दिल्ली, 7 ग्राप्रैम, 1989

#### आयकर

का. या. 1734.— उस कार्यालय की विनांक 22-3-88 की प्राधिसूचना सं. 7807 (फा॰ सं. 203/236/86-प्रा. कर नि. 2) के अनुक्रम में, सर्वसाधारण को जानकारी के लिए एनवृद्धारा यह प्रशिक्ष्मित किया जाता है कि विहिन प्राधिकारो प्रथात वैक्षानिक ग्रीर भौगोगिक भनुसंधान विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को शायकर नियम 1962 के नियम 6 के माथ पठित ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) (पैलीस/एक्तीस) के प्रयोजनों के लिए "इंस्टीट्यूणन" प्रवर्ग के श्रधीन निम्नलिखित शतौ पर भनुमोदित किया है: —

- (1) यह कि बेद विज्ञान महाविद्यापीठ, बंगलीर प्रपत्ने वैशानिक अनुसंक्षान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक क्षेत्र्या रखेगा।
- (2) यह कि उन्न उंस्टीच्यूट अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी की प्रत्येक वित्तीय वर्ष के सम्बन्ध में प्रतिवर्ष 31 नई तक ऐसे पत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकायित किया जाए और उसे सुचित किया जाए।
- (3) यह कि उक्त इंस्टीच्यूट ग्रपनी कुल ग्राय तथा व्यय दर्शात हुए ग्रपने संगरीकित वार्षिक लेखों की सथा ग्रपनी परिसम्पत्तियां, देनदारियां, दर्शाते हुए सुसन-पत्न की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक बिहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में सें प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रस्वक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली, ग्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकता तथा संबंधित भायकर ग्रायुक्त के पास भेजेगा ।
- (4) यह कि उक्त इंस्ट्रेन्थ्यूट केन्द्रीय प्रस्थक कर बोर्ड, कित मंत्रालय (राजस्व विमाग) नई किल्मी तथा प्रायकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को अनुमोदन की समाप्ति से पूर्व अनिरिक्त अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा की समाप्ति की नारीख के परवान् प्राप्त होने बाले आवेदन पत्नों को रद्द कर दिया जाएगा।

### इंस्टे ट्यूशन

वेद विज्ञान महाविद्यापीठ नं. 19, 39 ए कास 11 मेन रोड़, 4 टी ब्लाक, जयनगर, बंगलॉर-560043

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की भवधि के लिए प्रेभावी है ।

[सं. 8326/फा. सं. 203/59/89-प्रायकर नि. II]

New Delhi, the 7th April, 1989

### INCOME TAX

S.O. 1734.—In continuation of this Office Notification No. 7807 (F. No. 203|236|86-FTA.II) dated 22-3-1988 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) That Ved Vignan Mahavidyapeeth, Bangalore will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be luid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their sudited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Texes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Incometax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

#### INSTITUTION

Vel Vignan Mahavidyapeeth, No. 19, 39th A Cross, 11th Main Road, 4th T Block, Jayanagar, Bangalore-560041.

This Notificatron is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8326/F. No. 203/59|89-ITA.]I]

नई दिल्ल<sub>•</sub>, 8 मई, 1989

### (भायकर)

- (।) यह कि नेशनल लॉ स्कून झॉफ इंडिया यूनिवॉमटी, बंगलौर भ्रपने पैक्नानिक सनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा ।
- (2) यह कि उन्त इंस्टोंच्यट प्रयंते वैशानिक प्रतृसंधान सम्बन्धी कार्यकलाणों की वार्षिक विवरणो विहिन प्राधिकारों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के सम्बन्ध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपन्नों में प्रम्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकथित किया जाए धीर उसे सूचित किया जाए।
- (3) यह कि उक्त इंस्टीक्यूट अपनी कुल भाय तथा व्यय दर्शाते हुए भ्रापने संपरीक्षित वार्षिक लेखों को तथा अपनी परिसम्पत्तियों दिन-दारियों को दर्शाते हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन वस्तायेओं में थे प्रस्थेक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रस्थक कर बोर्ड नई दिल्ली, भ्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकना तथा सम्बन्धित प्रायकर भ्रायकर प्रायक्त के पास भेजेगा ।

(4) यह कि उस इंस्टी ब्यूट केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, विक्त मंद्रालय (राजस्य विभाग) नई दिल्ली तथा आयकर महानिदेशक (खूट), कलकत्ता को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व अतिरिक्त अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। अनुमोदन की समाप्ति की तारीख के पश्चास् प्राप्त होने नाले आवेदन क्लों को रह कर दिया जाएगा।

# इंस्टीट्युशन

नेशनल लॉ स्कूल भ्रॉफ इंडिया यूनिवर्सिटी, सैन्ट्रल कालेज बिल्डिंग, बगलीर ।

यह प्रधिसुचना विनोक 16-3-89 से 31-3-89 तक की प्रविधि के लिए प्रभावीं है।

[सं. 8349/फा. सं. 203/2/89 घायकर नि. ॥]

New Delhi, the 8th May, 1989

### INCOME TAX

- - (i) That National Law School of India University, Bangalore will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
  - (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Dclhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissione of Incometax.
  - (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Pepartment of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

# INSTITUTION

National Law School of India University, Central College Building, Bangalore.

This Notification is effective for a period from 16-3-1989 to 31-3-89.

[No. 8349]F. No. 203/2/89-ITA,II]

नई दिल्ली, 24 मई, 1989

### मायकर

का. म्रा० 1736:— इस कार्यालय की दिनांक 6-7-1987 की भिध्यसूचना सं. 7409 (फा. सं. 203/27/87— म्रा. कर नि.-2) के भनुकम में, सर्वमाधारण की जानकारी के लिए एसद्वारा यह प्रधिस्चित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी धर्यात् वैज्ञानिक और जौबो-ियक ध्रुतमुंधान विभाग, नई दिल्ली ने, निम्नलिखित संस्था को ध्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित ध्रायकर घ्राधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधान (1) के खण्ड (ii) (पैतीस/एक/वो/र्तान) के प्रयोजनों के लिए "एसोसिएणन" प्रवर्ग के घ्राधीन निम्नलिखित मानी पर ध्रुनमोवित किया है:—

- (1) यह कि एम. एल. णाह रिचर्स फाउंडेणन फॉर स्टोन इंडस्ट्रीज, शहमदाबाद श्रपने वैज्ञानिक श्रतुसंघान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त ऐसीसिएणन ग्रप्त वैज्ञानिक ग्रनुसंघात संबंधी कार्यकलापों की वार्षिक विश्वरणी विहित प्राधिकारी की प्रत्येक विसीध वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ण 31 मई, तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा के इस प्रयोजन के लिए ग्रिधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (3) यह कि उन्त एसोसिएशन अपनी कुल ग्रांग नथा व्यय दर्शते हुए ग्रपने संपरीक्षित दापिक लेखों की नथा भ्रपनी परिसम्पत्तियों/देनदारियों को दर्शति हुए सुलन-पत्न की एक-एक प्रति प्रति वर्ष 30 जून तक बिहिन प्राधिकारी के पास प्रस्तुत के करेगा तथाइन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रस्यक कर बाउँ नई दिल्ली, श्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता नथा संबंधित श्रायकर ग्रायुक्त के पास भेजेगा।
- (4) यह कि उक्त एमोसिएणन केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर योई, वित्त मंद्रालय (राजस्य विभाग), नई दिल्ली तथा ग्रायकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को ग्रावेदन करेगा।

### इंस्टीट्यू शन/एमो सिए शन

एम. एल. भाह रिसर्च फाउंडेशन फॉर स्टोन इंडस्ट्रीज, गोबल-ए तीसरी मंजिल, श्राश्रम रोड, नेहरू त्रिज के सामने, सहमदाबाद।

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-89 तक की प्रविध के लिए प्रभाषी है।

[सं. 8375/फा. सं. 203/63/89-ग्रायकर नि.-II]

### New Delhi, the 24th May, 1989

# INCOME TAX

- S.O. 1736.—In continuation of this Office Notification No. 7409 (F. No. 203/27/87-ITA.II) dated 6-7-1987 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|One|Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions:—
  - (i) That M. L. Shah, Research Foundation for Stone Industries, Ahmedabad will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
  - (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be land down and intimated to them for this purpose by 51st May each year.
  - (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities a copy of each

of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Incometax.

(Iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta for further extension.

#### ASSOCIATION

M. L. Shah Research Foundation for Stone Industries Nobles-Λ. 3rd floor, Ashram Road Opposite Nehru Bridge, Ahmedabad.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8375/F. No. 203/63/89-ITA.I]

का. ग्रा. 1737:—हम कार्यालय की दिनंक 1-7-87 की श्रीधमूपना सं. 7394 (का. मं. 203/237/86-ग्रा. कर नि. (ii) के धनुक्रम मं, सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए एतद्दारा यह प्रधिस्चित किया जाता है कि विद्वित प्राधिकारी अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रनुसंघान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्निसिखित संस्था की ग्रामकर नियम, 1962 के नियम 6 के माथ पिटत ग्रामकर प्रधिनियम, 1961, की धार 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) (पैनिम्म/एक/दो/निन) के प्रयोजनों के लिए "इंस्टीट्र्य्णन" 'प्रवर्ग के ग्राधंन दिस्निवित गर्नों पर ग्रामोदिन विद्या है:—

- (1) यह कि महाराष्ट्र राज्य द्वार्थ वागाहतदार संघ, पुणे श्रपन वैज्ञानिक अनुमंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राणियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त इंस्टीच्यूट भ्रपने बैजानिक भ्रनुसंधान संबंधी क संकलायों के बार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रत्येक विसीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए भ्रधिकथित किया जाएगा और उसे सुबित किया जाए।
- (3) यह कि उपन इंस्टंड्यूट अपनी कुल फ्रांस तथा व्यय दशित हुए अपने मंगरीक्षित वाधिक लेखीं की तथा अपनी परिसम्पत्तियों, देनदारि-यों दशित हुए तुलन-पत्न की एक-एक प्रतिप्रतिवर्ष 30 जृत, तक विहित प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर वीई, नई दिस्ती, आयकर महानिण्येक (छूट), कलकक्षा तथा संबंधित आयकर आयुक्त के पास भेजेगा।
- (4) यह कि उपन इस्टीच्यूट केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बीर्ड, विक्त मंत्रालय (र जस्य विभाग), नई दिल्ली तथा मायकर महानिदेशक (छूट), कलकता को भ्रावेदन करेगा।

# इंस्टीच्यूशन/एसोसिएशन

महाराष्ट्र राज्य द्राक्ष बागइतदार संघ, पुणे।

यह प्रक्षिनूचना दिनांक 1-4-88 से 31-4-89 तक की प्रविध के लिए प्रभावी है।

[सं. 8376/फा.सं. 203/64/89-प्रायकर नि.ना]

### INCOME TAX

S.O. 1737.—In continuation of this Office Notification No. 7394 (F. No. 203/237/86-ITA.II) dated 1-7-19°7 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1)

of Section 35 (Thirty Five One Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) That Maharashtra Rajya Draksha Bagaitdar Sangh, Pune will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May cach year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their sudited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the Concerned Commissioner of Incometax.
  - (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Exemption) Calcutta for further extension.

#### INSTITUTION

Maharashtra Rajya Draksha Bagaitdar Sangh, Punc.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8376/F. No. 203/64/89-ITA.II]

नई बिल्ली, 26 मई, 1989

### ग्रायकर

का था. 1738:—हम कार्यालय की दिनांक 10-8-1987 की भ्रधिमूचना मं. 7462 (फा. मं. 203/97/87-प्रयक्तर नि:-ii) के धनुक्रम
मं, मर्जमाधारण की जानकारी के लिए एनद्वारा यह श्रधिमूचिन किया
जाता है कि विहिन प्राधिकारी श्रर्थान् वैज्ञानिक और औद्योगिक श्रन् संधान
विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिजिन संस्था को श्रायकर नियम, 1962
के नियम 6 के साथ पटिन धायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 35
की उपधारा (i) के खण्ड (ii) (पैतास/एक/दो/नीन) के प्रयोजनी के
लिए "ईस्टीट्यूशन" "प्रवर्ग के श्रधीन निम्नलिखिन शनौं पर धनुमोदिन
किया है:—

- (1) यह कि ग्रांसिम में डिकल रिसर्च इंस्ट्रीच्यृट बिडल ग्राम, नागडा ग्रयने वैज्ञानिक भ्रनुसंघान के लिए स्थयं द्वारा प्राप्त राशियों का पूचक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त इंस्टीयृट अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधां कार्यकलापों की वाधिक विवरणी, बिहित प्राधिकारी को प्रत्येक बित्तीय वर्ष के संबंध मे प्रतिवर्ष 3। मई कि ऐसे प्रपत्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (3) यह कि उक्त इन्टीयूट घ्रपनी कुल घाय तथा व्यय दशित हुए ग्रपने संपरीक्षित वाधिक लेखों की प्रति प्रपनी परिसपित्यां, देनदारियां दर्शात हुए सुलन-पन्न को एक-एक प्रति, धर्म 30 जून, तक विहित प्रिक्षित हैं के पास प्रस्तुत करेंग, तथा इन दस्त वेजों में से प्रस्त के एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर वोर्ड, नई दिल्ली, ग्रामकर महानिवेशक (छुट), कलकत्ता तथा संबंधित घायकर के पास भेजेंगा।

(4) यह कि जन्म इंन्डोड्यूट केन्द्रीय प्रत्थ कर बोर्ड, विस्त मंत्रालय (राजर्रच विभाग), नई दिल्ली तथा भ्रायकर महानिवेशक (छूट) कलकत्ता ो अनुमोधन की समाप्ति से तीन माह पूर्व भ्रतिरिक्त भवधि भक्तमे के लिए भ्रावेदन करेगा अनुमोदन की समाप्ति की तारीख के पश्चान् प्राप्त होने व ले प्रावेदन पत्नों की रह कर दिया जाएगा।

# इंस्टीच्यूशन/एमीमिएणन

ग्रासिम मेडिकल रिसर्थ धेस्टीच्युगन, बिड्लाग्राम नागडा

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-88 में 31-4-89 धक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[म. 8378/फा. सं. 203/171/88-प्रायकर नि.-11] निधि न यर, प्रवर मन्त्रि

New Delhi, the 26th May, 1988

#### INCOME TAX

S.O. 1738.—In continuation of this Office Notification No. 7462 (F. No. 203/97/86-ITA.II) dated 10-8-1987 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|One|Two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) That Grasim Medical Research Institute Bulagram, Nagda will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of the audited annual accounts showing their income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of iDrect Taxes, New Delhi, DGIT (Exemption) Calcutta and the concerned Commissioner of Incometax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi and DGIT (Examption) Calcutta 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension, Applications received after the date of expiry of approval are made to be rejected.

### INSTITUTOIN

Grasim Medical Research Institute, Birlagram, Nagda.

This Notification is effective for a period from 1-4-88 to 31-3-89.

[No. 8378/F. No. 203/171/88-ITA.11] NISHI NAIR, Under Scoy.

### श्रम मंत्राक्षय

# नई दिल्ली, 26 जून, 1989

का. अ. 1739:— औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के ध्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विजया बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकः रों के बीच, धनुषंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण नं. 2, बन्बई के पंचंट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुया था।

#### MINISTRY OF LABOUR

#### New Delhi, the 26th June, 1989

S.O. 1739.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Vijaya Bank and their workmen, which was received by the Central Government.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 BOMBAY

Reference No. CGIT-2/36 of 1986

### PARTIES:

Employers in relation to the management of Vijaya Bank, Bombay.

#### AND

### Their Workmen

### APPEARANCES:

For the employers-Shri R. K. Shetty, Advocato.

For the Workmen-Shri S. M. Dharap, Advocate

INDUSTRY : Ranking

STATE: Maharashtra,

Bombay, dated the 28th April, 1989

# AWARD PART II

The Central Government by their order No. L-12012/130| \$5-D.1V(A) dated 19-8-1986 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.—

- "Whether the action of the management of Vijaya Bank, Bombay in imposing the penalty of stoppage of one year increment per charge with cumulative effect on Shri K. Annappa Naik Clerk, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. In this case, Award Part I on preliminary issue Nos. 1 and 2 was given on 11-4-1989.
  - 3. Heard the two Advocates for the parties.
- 4. Read the written arguments filed on behalf of the workman.
- 5. It was urged on behalf of the workman that the charges against him are not duly proved, and the alleged acts did not constitute any misconduct. However, when this Tribunal has already recorded the finding that the findings of the Enquiry Officer are not perverse, but are just and proper, it means that the Enquiry Officer has come to the proper conclusion on the basis of the material upon him. I also come to the same conclusion, agreeing with the reasons urged by the Enquiry Officer.
- 6. It was then urged on behalf of the workman that the punishment of stoppage of one increment per charge is too severe, and some minor punishment should have been indicted. According to me, on the contrary, the Bank management has taken too lenient a view in imposing the punishment, and even if, in the said circumstances, much more severe punishment would have been inflicted, it would not have been unjust or improper. Therefore, the finding on issue No 3 is in the affirmative. As such, the workman is entilled to no relief. The following Award is, therefore, passed.

### AWARD

the The action of the management of Vijaya Bank in question is quite just and proper,

(ii) The workman is entitled to no relief. The parties to hear their own costs of this reference.

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer

[No. L-12012/130/85-D.IV(A)]

ज्ञान्याः १७४० जोषाणिक विष्येर श्रीष्ठिरान, १९४७ (१९४७ का र्रियो होते क्षोपा 17 के अनुकार थे, केबीन सरकार बैंक ऑफ नहाराष्ट्र या प्रवासित्य के निर्देश, निर्देशकात् भीत उनकी कर्मसूरों के बीला प्रमुखंग के क्रिकिन्द्र निर्देशका पियाद्र में केटबीय सुरकार शीधीरिक प्रविकरण नं ( वस्पर् के पर्काट की प्रकाशित कीतो हैं जा के कीच मरहार को केप्से हुआ या।

S.O. 1740.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Discutes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industreal Tribunal, No. 1 Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Maharashtia and their workmen, which was received by the Central Government. ...

### ANNEXURE

SCHORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-29 of 1988

PARTILS .

Employers in relation to the management of Bank of Maharashtra.

# $\Lambda ND$

# Their workmen

APÉFARANCES :

For the Management:--Shri B. B. Makwana, Personnel Officer.

For the Workmen—Shri S. T. Sahastrabuddhe, Secretary of the Vidarbha Bank Employees Federation.

INDUSTRY . Banking

STATE: Maharashtra.

Bombay, dated the 30th day of March, 1989

#### AWARD

The Central Government in exercise of the powers conterred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Indistrial Disputes Act, 1947, has referred the following discrete for adjudication to this Tribunal:—

"Whether the action of the management of Bank of Maharashtra in dismissing Shri M. K. Jagdish from service w.e.f. 23-11-82 is justified? If not, to what relief is the workman cutilled?"

- 2 The workman was charge-sheeted for 7 mis-conducts, They were as follows:-
- "t. You had submitted our LFC Bill to Divisional Office, Nagpur through Br. Menager, Umri branch. The bill was for Rs. 2.015 and it was sanctioned join Divisional Office, Nagpur, vide their letter No. AX7/VD/ST/81|35 dated 12-8-81 for Rs. 2.015. You had mentioned in your bill that you travelled during the period from 1-6-81 to 15-6-1981 from Unifi to Agra by Bus and Railway, Further you had neptioned the ticket numbers purchased by vott for travelling from Nagour to Agra as first-class 00803 to 00807. Also you had mentioned that you were accommanied with your father, mother, brother and sister; 1932 G1/89-4.

- After enquiring with Railway authorities, it learnt that-"
  - (a) Virst class ticket No. 00803, Nagpur to Agra Cantt issued to Mr. K. K. Datta by 21 Dn. of 17-5-1981.
  - (b) 1 ast Class ticket No. 00805, Nagpur to Agra Cantt. issued to Shri P. K. Bandophayaya by 137 DN. of 27-5-1981.
  - (c) first class ticket No. 00804 from Nagpar to Agra was i-sued to Shri K. Jagdish by 15 Dn. of 6-6-81 and subsequently the fickets was cancelled on 5-6-1981 at 8,50 hours.
  - (d) First class ricket No. 00807 Nagpur to Agra was reserved by Shri Z. S. Joshi by 21 Dn, of 10-6-81 and the ticket was cancelled on 10-6-1981.
  - (e) First class ticket No. 00806, Nagpur to Agra was reserved by Shri Mansingh by 21 Dn. of 10-6-81. It is, therefore, clear that you have not travelled from Nagpur to Delhi on 3-6-1981 and have submitted lake LFC bill.

You were called upon to submit your written explanation vide / letter No. AX7/VD/ST/82|6823 dated 2-6-82 by the Divisional Manager, Nagpur. You, vide your letter dated 13-6-1982 submitted your explanation which is most unsatisfactory.

2. You have submitted your LFC bill to DM Office, Nagphir through Br. Manager Umri Branch. The bill is for Rs. 940.60 and you have availed an ad-vance of Rs 806 against the said Bill. You have mentioned in your bill that you travelled during the period from 23-2-82 to 13-3-82 from Umri- to New Delhi by Bus and by Railway. You have mentioned the ticket numbers purchased by you for travelling from Nagpur to Delhi as First class 15481 to 15482. From Nagpur to Delhi as First class 15481 to 15482. After engunires with railway authorities it is learnt that first Class , ticket Nos. 15481 & 15482 from Nagpur to New Delhi were issued on 3-6-82 for journey by 15 Dn. G.T. Express on 5-6-82 to Mt. S. P. Pande & Mrs. N. Pande. It is, therefore, clear that you have not travelled from Nagpur to Delhi on 2-3-82 and have submitted fake LFC Bill. LFC Bill.

You were called upon to submit your explanation vide letter No. AX7/VD/ST/82|8417 dated 24th June, 82 by the Divisional Manager, Nagpur. You, vide your leter dt. 16-7-82 submitted your explanation which is most unsatisfactory.

- 3. You have submitted an application dt. 9-6-82 to the Divisional Office, Nagpur, through your Br. Manager requesting to grant you 11 days privilege leave from 29-5-82 to 8-6-82 on medical grounds. You have enclosed the certificate of Dr. G. R. Bhagat, Skin Specialist, Nagpur, stating that you were under his treatment during 29.5-82 to 8-6-82. While going through the certificate, it is observed that there appears to be alterations in the dates mentioned in the certificate On engines with Dr. Bhagat, it is revealed that you were under his treatment during 29-5-82 to 5-6-82. It is, therefore clear that you have altered the date 5-6-82 to 8-6-82. You were again absent unauthorisedly from 11-6-82 to 7-8-82. You were advised to submit your clarification in the matter vide letter No. AX7/VD/82/7093 dt. 22nd June. 82 by the Divisional Manager, Nagour, You vide your letter dt. 16-7-82, submitted your explanation which is not satisfactory.
- tary of the Mandal. The President of the captioned Mandal vide his letter/dt. 76-82, informed Manager, Aheri Branch that von did not hand-over or the amount to them and also von did not submit any accounts as to how Rs. 700 were expended. You were advised to submit your explanation vide letter

No. AX7/VD/ST/82|8416 dt. 24th June, 82 by the Divisional Manager, Nagpur. You vide your letter dt. 16-7-82, submitted your explanation and while going through the same, it is observed that you have accepted having not paid Rs. 700 to the President of the captioned Mandal. Further it is observed that you have remitted money to the Secretary of the captioned Mandal by money-order after joining at Umri branch.

Further, it is reported that you owe Rs. 215 to M/s. Prakash Cloth Stores, Sooner and Rs. 645 to M/s. Vandana Textorium, Sooner towards the cloth purchased by you about 5 months back. You were advised to submit your explanation, vide letter dt. 24th June, 1982 by the Divisional Manager, Nagpur, You vide letter dt. 16-7-82, submitted your explanation which is found to be unsatisfactory.

- 5. On 8th February, 82 you obtained a payment of Rs. 28 from Umri branch towards the cost of Inward Rubber Stamp, purchase by you for office use from M/s. Mahendra Agencies, Nagpur. Further it is reported by M/s. Mahendra Agencies, vide their letter dated 22nd July, 82 that you have not raid an amount of Rs. 28 being the amount of their bill No. 512 dt. 5-2-82. You were advised to submit your caplanation immediately by the Br. Manager, Umri branch, vide his letter No. AJ28/Staff/716 dt. 7-7-82. However, you failed to submit your explanation in the matter.
- Also on 14-12-81, while you were working as cashier due to the negligence on your part, a cash shortage of Rs. 650 took place.

You are, therefore, charged as under:

- (1) Misappropriation of Bank's money by way of availing advance against bogus LFC bill is an act causing wilful damage to the Bank which is an act of gross-mis-conduct, under clause 10.5(d) of the Bipartite Sculement of October, 1966.
- (2) During an act of collecting payment on behalf of the customer and subsequently not raying him is an act of attempting to cause damage to the property of the customer which is an Act of Gross mis-conduct under clause 19.5(d) of the said Bipartite Settlement.
- (3) Doing an act prejudical to the interest of the Bank is an act of gross-mis-conduct, under clause 19.5(d) of the said Bipartite Settlement.
- (4) Doing an act subversive of discipline which is an act prejudicial to the interest of the Bank is an act of gross misconduct, under clause 19.5(i) of the said Bigartite Settlemen'.
- (5) Remaining absent without leave is an act of minor-micoonduct under clause 19.7(a) of the cald Bipartite Settlement.
- (6) Negligence in performing duties is an act of minor insconduct under clau e 19.7(c) of the said Bipartite Settlement.
- (7) In carring debts to an extent considered by the management as excessive is an act of minor misconduct under Clause 19.7(a) of the said Bipartite Settlement.
- 5. The Joint General Manager (P.A. & D) by the order dated 10-9-1982, appointed Shri A. S. Pote, Law Officer, attached to the Order of the Assistant General Manager, East Zone, Nagour as the enquity officer and constituted Divisional Manager (Staff & Industrial Relations), Pune as the Disciplinary authority and the Assistant General Manger, East Zone, Nagour as the Appellate Authority for the purpose of the departmental enquiry instituted against Shri M. K. Jagdish, who was then working as Clerk in the Umri Nanda Branch,

at Nagpur. The enquiry officer held the enquiry on 28-10-1982, and concluded it on the same day as the workman. Shri lagdish pleaded guilty to all the charges levelled against him. The enquiry officer, thereafter submitted the enquiry papers to the Disciplinary authority who proposed dismissal without notice for the first four charges and warning for the remaining three and gave personal hearing to the workman on 23-11-1982, in respect of the proposed punishment. The Disciplinary authority confirmed the punishment and passed the order dismissing Shri Jagdish from the Bank's service without notice. Being aggrieved by this order. Shri Jagdish preferred an appeal to the Assistant General Manager, Eas' Zone. Nagpur, who was constitued the Appellate authority. The appeal was heard on 2-2-1983 by the Officiating Assistant General Manager, Eastern Zonal Office, Nagpur, He confirmed the order passed by the disciplinary authority. Thereafter, the workman made a representation to the Chairman and the Managing Director of the Bank on 25-11-83. This representation did not evoke any response and afer waiting for nearly 3-1-|2 years, Shri Jagdish made another representation to the General Manager (Administration) on 29-6-1987, and raised a fresh dispute in the matter of his dismissal from service.

- 4. In his statement of claim, the workman contended that as the enquiry officer was not appointed by the disciplinary authority he had no authority to conduct the enquiry which therefore was void. He further contended that the enquiry suffered from lack of strict observance of the relethe case was given to him. He further contended that no evidence or documents were produced nor copies of such documents in the basis of which the charge-sheet was served on him were given to him at any point of time. The disciplination of nary authority also passed the order without application of mind and the officiating Assistant General Manager who disposed off his appeal was not competent to do so. It is also the grievance of the workman that several other employees who were proceeded for the same mis-conduct were given light punishment while he was awarded maximum punishment of dismissal from service. According to him, this discrimination amounted to unfair labour practice. The workman named some of the employees who were lightly dealt with by the management for similar mis-conduct. He also contended that he disputed the charges levelled against him and that admission of guilt was elicited from him by the enquiry officer and the Presenting Officer who threatened him that he would be dismissed from service if he did not accept the charges, According to him, the enquiry officer told him that if he accepted the charges-his case will be held at par with other employees who were charge-sheeted for the similar ground.
- 5. As mentioned above, the enquiry officer, the disciplinary authority and the appellate authority for the purpose of the enquiry instituted against the workman were appointed by the Joint General Manager of the Bank. According to the workman, the Joint General Manager had no authority to appoint the enquiry officer who could have been appointed only by the disciplinary authority. There is no substance in this contention in view of the specific provision contained in paragraph 19.14 of first Bipartite Settlement. The relevant portion this paragraph reads as follows:—
  - "The Chief Executive Officer or the principal officer in India of a bank, or an alternate officer at the Head Office or principal office appointed by him for the purpose, shall decide which officer(s) shall be empowered to hold enquiry and take disciplinary action in the case of each office or establishment. He shall also decied which officer or a body higher in status than the Officer authorised to take disciplinary action shall be empowered to deal with and dispose of any appeals against orders passed in disciplinary matters."

The Chairman and the Managing Director of the Bank could delegate to an alternate officer at the Head Office or principal office to decide which officer shall be empowered to hold enquiry and take disciplinary action in the case of each office or establishment. In his order Ex. W-1, the Joint General Manager has specifically stated that he appointed the enquiry officer, the disciplinary authority and the appellate authority in exercise of the powers conferred on him by the Chairman and the Managing Director of the Bank under para 19.14 of the first Bipartite Settlement of 1966. The Joint General

Manager was therefore perfectly competent to appoint the disciplinary authority and also the enquiry officer. The disciplinary authority could have appointed the enquiry officer if the Joint General Manager would not have made that appointment. But the Joint General Manager exercising the powers belegared to him by the Chief Executive Officer, namely the Charman and the Managing Director of the Bank had the power to appoint the enquiry officer also. The power to appoint the enquiry officer also. The power to appoint the enquiry officer who can be appointed by the disciplinary authority. The contention therefore that as the enquiry officer was not appointed by the disciplinary authority he was not competent to hold the enquiry which for that reason stood vitiated is devoid of any substance. Equally unstainable is the contention that the officiating Assistant General Manager had no authority to hear the appeal. The Assistant General Manager, East Zone, Nagpur was appointed as the appellate authority by the Joint General Manager, by the order Ex. W-1 and the person who at the material time was exercising the powers of the Assistant General Manager, the order Ext. W-1. As the officiating Assistant General Manager, the concerned officer could exercise all the powers which could be exercised by the Assistant General Manager. The Officiating Asstt. General Manager was perfectly competent to hear the appeal preferred by the workmen.

- ---

------

- 6. The contention of the workman that he was compelled to admit the guilt is on the face of it firvolous. The proceedings of the enquiry which are produced at Ex. W-3, show that the workman categorically admitted his guilt and signed below the proceedings of that day. It is pertinent to note in this context that in his appeal (Ex. W-7) also he admitted all the charges levelled against him and restricted his appeal only to the saverity of the punishment. He did not make any grievance in the appeal memo that his admission was obtained by threats He has also not stepped in the witness box to say so on oath.
- 7. In view of the categorical admission of the charges there was no question of recording evidence oral as well as documentary. It is pertinent to note that by the charge-sheet cum-show cause notice, the workman was specifically informed that he would be permitted to be defended by the representative of the Registered Trade Union of the Bank employees of which he was a member on the date first notified tor the commencement of the enquiry and if he was not a member of any Tdade Union of the Bank employees on the aforesaid date, by a representative of the Registered Trade Union of the employees of the Bank, that he will be allowed to produce his evidence, to examine witnesses in his defence and also to cross-examine the witnesses brought by the management at the enquiry. It is therefore futile on the part of the workman to contend that he was not given proper opportunity to defend himself.
- 8. It is also difficult to accept the contention of the workman that he was discriminated against in the matter of punishment. It will be seen from the charge-sheets produced on record at Ex. W-11 to Ex. W-18 by the workman himself that the only charge levelled against the other workman was preferring bogus TA bills. That however was not the only charge levelled against the workman. As mentioned above, as many as seven charge were levelled against the workman some of them were undoubtedly serious. The punishment of dismissal therefore was perfectly justified. The workman, therefore, is not entitled to any relief in his reference. Award accordingly.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer [No. I.-12012/740/87-D.H(A)]

का. भा. 1747:- अ.बांगिक विवाद फ्रिंसियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 17 के फ्रत्सरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनाय कैंक के प्रबन्धतंत्र के पंबद्ध नियोजकों और उत्तर्व कर्मकारों के बीच, बनवंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अधिक्तिः प्रधिकरण, मं. 2, धनवाद के पंजाद को प्रकाणिक करती है, जो केन्द्रीय सरकार भी प्राप्त दुष्का पा। S.O. 1740.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as showing in the annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank an other workman, which was received by the Central Government.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) AT DHANBAD

REFERENCE NO. 33 OF 1975 (Old.) Reference No. 7 of 1988 (New)

10(1)(d) of the I. D. Act. 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workmen.

### APPEARANCES:

- On behalf of the workmen: Shri C. L. Bharadwaj, General Secretary, All India Punjab National Bank Employees Association.
- On behalf of the employers: Shri B. K. Saberwal, authorised representative.

STATE: Bihar. INDUSTRY: Banking.

Dated, Dhanbad, the 30th May, 1989

#### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Acr., 1947 had referred the following dispute to the Central Government Industrial Tribunal, Delhi vide their Order No. L-12012/106/74-LR. III dated the 15th April. 1975.

### THE SCHEDULE

"Whether the action of the Punjah National Bank in terminating the services of Shri Arun Kumat, Clerk in the Branch Office at Arrah with effect from the 23rd June, 1973 and not treating him as a confirmed hand after a continuous service of six months is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

Thereafter vide Ministry's Order No. L-12012/106/74-LR. III dated, the 16th September, 1975 the said reference was transferred to the Central Government Industrial Tribunal (No.1). Dhanbad. Then again the case was transferred from Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad to Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad vide Ministry's Order No. L-12012/106/74-LR. III dated the 25th February,/1st March, 1978. An Award was passed in Reference No. 28 of 1978 by Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad on 27-10-1979 conswering the Award against the workmen. The concerned workman filed a Writ before the Hon'ble. High Court at Patna which was numbered as CWIC 3005 of 1980 Hon'ble High Court by its Order dated 14-2-85. Issued a Writ in the nature of certiforari quashing the Award of Central Government Industrial Tribunal No. 3 Dhanbad and remitted the case back to Central Govt. Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad for deciding the case as per direction. The records of the said reference was despatched from the office of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad to this Tribunal by the forwarding letter dated 14-10-1988. The said reference was numbered as Reference No. 70 of 1988 by the Central Government Industrial Tribunal No. 2. Dhanbad. The parties were noticed for hearing of the case Both the narties appeared. The workman further examined WW-1. The management did not examine any further witness, subsequently both the narties appeared before me and filed a ioint retition of settlement under their signature. I heard them on the said petition of settlement and I do find that the terms contained therein are fair, proper and beneficial to both the parties. Accordingly I accept the same and

and the second s 9. That terms of settlement shall be implemented within 13:245 days of the disposar of the case by the Industrial Chara Hunal.

งู่ม <u>เยอทิปิ</u> Signed on this :

Based and Tur day of May, 1989 at New Delhi.

(E. K. SABHARWAL) Manager (Personnel)

For Air India PNB Employees, Association and

The Association of PNB Employees

C (Bil Pradesh)

CVERNARDWAII

Chairman, All India PNB Employees Association.

是id/上Sm-Linu

"I (RATIV BHALLA)

Mainte Bersonnels Offices

Z. W. V. JOSHY)

Assti Manager (P)

1. Mogible

2. ARUN KUMAR

(concerned workman)

nearly at the management sumest. They are copies of notify 11.5.54. given by specifi North Jamene. Advocate, contact of the landfud8 to the teachers, coint dt. 11.12.54 and the state of the Court of the Court of Civil 1948, and the Court of Civil 1948, and the court of the cour े अस्त के क्षेत्र के ति स्वाप्त कार्य स्वाप्त कार्य कार्य कार्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त करों को के कार्य स्वाप्त कार्य भी में सिन्नांक स्वाद्धां का स्व राष्ट्रिक के प्रति का प्रति का स्वाद्धां का स्वाद्धां का स्वाद्धां का स्वाद्धां का स्वाद्धां का स्वाद्धां का स राष्ट्रिक का राष्ट्रिक का स्वाद्धां का स्व riser corresponder

# New Delhi, the 27th June, 1989

Diblies Act. 1947. (It of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Indistrial Tribunal, kenpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employees in relation to the Affapabad Bank and their workmen, which was received by the Lentral Government.

BEFORE SHE ARIUM DEV PRESIDING OFFICER
SECONDAL GOVERNMENT FRIEDRAL COM
LABOUR COURT KANPUR

Industrial Dispute No. 36 of 1987:

Indhermatter of disputes between:

Sh. Harish Chandra C/o Sh. O. P. Nigam 2957387 Din Dayal Road Asharfabad Lucknow.

AND

The Regional Manager

Allahabad Bonk

Reigonal Office

Hazaratgani

Lucknow.

### APPEARANCES

Nigam aldf the Workman. Sh. M. K. Verma-for the Management

#### AWARD

To the Compat Government, Ministry of Labour, vide its notification No. E-12012/163/1/86 D.II(A) dt. 9-4-87, has re-Ferred the following dispute for adjudicaion to this Tribunal:

Whether the action of the management of Allahabad Bank in terminating the services of Sh. Harsh Chandra w.e.f. 17-10-85, and not absorbing him in Bank's service is justified? If not, to what relief is the workman contilled ?

23 Tre workitum's case in sheet is that he was appointed as member of sub stati by the Manager Allahabad Bahk Husain Ganj Branch, Lucknow, on 22-3-83 on daily wages thusain Ganj Branch, Lucknow, in 22-3-83 on daily wages when there was a vacancy of a peon in the Branch. Although he was dring all the work which is normally being done by a peon, the Manager paid him wages for the day for fetching water at the rate of Rs. 1 or 2 per bucket through Mitc. voucher. Wages were paid to him fortnightly. The manager thus violated the provisions of various Awards and Biparfite settlements. Actually, supply of water was there in the previses of the hank from the water tap. He applied to the Regional Manager for his permanent absorption in the Bank's service but instead of doing so his services were terminated in 17-10-85, without any notice and compensation. He has herefore, prayed that orders be passed to absorb him permanently in the pank's service with retrospective effect and further he he paid all his wages and be given all previous to which he was entitled. to which he was entitled.

The management in their written statement deny that there ever existed any relationship of master and servant between Sh. Harish Chandra and the Bank. According to the management as and when there was scarcity of water due to poor water supply. Sh. Harish Chandra used to supply water at the rate of Rs. 2 per bucket. He filled the drums kept in the branch by letching water in buckets from the street tap. All other allegations made by the workman in his claim statement have been denied by the management.

4. The workman has filed rejoinder, in it he has alleged ng new tact.

5. In support of its case, the workman has filed his affi-dayit with certain annexums and in support of their case the management have filed the affidavit of Shri Omkar Krishna Jaitley, the then Manager, Husainganj Branch of the Bank and a number of documents.

he was appointed by the Manager Husaingani Bianch, of the Sank as peon cum Parrash on daily wages on 23-3-83 when there existed a clear vacancy of a peon due to the death of one Sh. Barsati Lal, Bill Collector. He continued working as peon cum farrash upto 31-8-85. In September, 1985, the manager appointed another temporary employee as sub staff on daily wages and both of them were allowed to work afternatively at intervals of 13 days. However, under verbal orders his services were terminated w.e.f. 17-10-85. With ills affidavif he has filed photostat copy of two certificates, one dated 12-1-86 given by Sh. Bhrigu Prakash Shukla, and the other dated 13-1-86 given by Sh. Navin Kumar Sahu in Ins capacity as Manager, for Sahu Brothers, Lucknow, These certificates are annexures I and 2 respectively of his affidavit.

The Polar the certificates have mo evidendiary value in the eyes of law because the persons who had given these certificates have not been examined by the workman in the case. In further appears from the evidence adduced by the management that both of them are entirical to the bank management.

8. In para 4 of his athidavit the management witness has Ideposed that because of litigations with the bank Sh. Bhrigu Prakash Shuklu the landlord, is prejudiced against the bank. Insparable 26 of his utildavit he has narrated facts saying that Sh. Navin Kumar Sahu is also enimical to the manufacturation in this sregard the management witness with his affidavit has filed a mapper of documents. Annexures 1, 2 and 3 are in respect of the landlord and annexure 4, 5 and 6 are in respect of Mas. Sahu Brothers.

- 9. Annexure 1, to the affidavit of management witness is the copy of notice dt. 3-8-84 given by Sh. Jagdish Narain Saxena, Advocate to Allahabad Bank on behalf of Landlords Sh. Bhrigu Prakash Shukla and Sh. Bhagwat Prakash Shukla In the notice it was alleged on behalf of the landlord that the bank was not paying the landlords full rent. Further the bank had not paid to the landlords water taxes, which the bank was liable to pay at the rate of 8 per cent of the rental value. In para 8 of the notice, the Advocate referred to the various bills right from 1977-78 received by the landords from the Nager Mahapalika and Lucknow Jal Sansthan in the phone of water translational ways the sansthan in the shape of water taxes levied upon the tenanted portion. The detailed amount of these bills was given as Rs. 8924.16p. According to the Advocate these bills which were upto 1982-83 were payable by the Bank.
- 10. Annexure 2 is the copy of plaint dated 11-12-84 of the suit filed by the Landlords against the bank for recovery of Rs. 19103.96p. The said amount consisted of taxes amounting to Rs. 8924-16p and the amount which had been paid less towards rent by the Bank.
- 11. Annexure 3 is the copy of written statement in the said suit filed by the bank. The bank pleaded that the landlord had not carried our requisite alteraton and additions nor had they constructed RCC Strong Room for housing Lockers, Currency Vault as per requirement. The Bank further pleaded that under the agreement taxes were to be borne by the landlords. One more were which is important for the purpose of this case mentioned by the bank in the written statement was that the water connection had remained cut off since the very inception of the tenancy and the same was never reconnected by the landlords.
- 12. In this connection, in cross examination a suggestion was given to the pelitioner whether or not the landlords had filed a suit for the ejectment of the bank in 1984 and further whether or not the said suit is still pending. The petitioner replied that he did not know. The documents filed by the management witness with his affidavit thus fully corroberate the management versious that the landlords were enimical to the management of the bank. Further the facts disclosed in the documents go to show that there is every possibility of landlords having cut of the water supply and having not restored it on account of bank's failure to pay to them the taxes including the water charges to which they claimed cnfitled.
- 13. With regard to the second certificate it has been deposed by the management witness in para 5 and 6 of his Brothers in the Bank's Husain Genj Branch Lucknow, Sh. Navin Kumar Sahu, who had issued the certificate is the step son of Smt. Ram Kumari Sahu, the sole proprietor of M/s. Sahu Brothers and he used to visit the said branch for handling ceep neurons and/or for tendering cheane. The handling cash payment and/or for tendering cheques/fills etc., on behalf of the said firm. The A/C holder was in the habit of issuing cheques without sufficient balance in their account. Whenever such cheques were bounced for want of sufficient balance, the bank realised its charges by debitting the said account whereupon Sh. Navin Kumar Sahu got annoyed. Some times on the request of Sh. Navin Kumar Sahu, the bank allowed temporary overdraft but whenever Sh. Sahu was pressed to adjust the amount of overdraft, he rever fulfilled it. On 13-1-86 Sh. Sahu visited the bank for depositing two cheques, one for Rs. 20000 and the other for Rs. 30000 drawn on the Bank's Bombay, WADALA branch and insisted for immediate credit of these amounts to the said account. On Bank's refusal to acceed to his untenable request, he created a scene and threatened the management witness that he would make a complaint against it to the higher authorities of the bank,
- 14. In this connection also a suggestion was given to the workman in his cross examination. The reply of the workman was that he did not know whether or not the said firm had any account in the Bank and whether or not any such incident had had taken place, in the bank premises. I may state here that there has been no cross examination of the witness of the mangement on the facts deposed to by him in para 5 and 6 of his affidavit supported by annexnres 4, 5 and 6. If the petitioner does not know any thing about the account

- and the incident, I fail to understand how in the certificate. copy annexure II to the affidavit of the petitioner, it is written that Sh. Hurish Chandra had been an employee of the bank for 3 years and that in respect of current account which Sahu Brothers had in the Husain Ganj Branch Sh. Harish Chandra had been handling the Firms Hundis, Railway Receipts etc. The certificate thus appeared to have been procured and no reliance can be placed on it.
- 15. The next point to be considered is whether water was available through water taps in Husainganj Branch of the Bank premises during the period 22-3-83 to 17-10-85. The management witness has deposed in his cross-examination that he remained posted in the Husainganj Branch of the Bank us Manager from 28-2-83 to 3-3-87. When he took over in 16b, 1983, the Branch was situated at Station Road, but in December 1984, it was shifted to Gurugovind Singh Mark. Marg. He has also stated that the strength of the staff was about 13|1-14. On the other hand the petitioner has stated in para 12 of his affidavit that the staff strength of the Branch was 17-18. In his affidavit the management witness has stated that because of searcity of drinking water on account of poor water supply even during fixed hours and because of water connection of the branch having remained cut of during 26-3-83 to 11-11-85, water was purchased from Sh. Harish Chandra at the rate of Rs. 2 per bucket of water and the water so purchased used to be stored in the drams kept in the branch. The factual position about water scarcity was put to the notice of the Regional Manager, Lucknow, as also to the Landlords,
- 16. I have also referred to annexures 1, 2 and 3 of the affidavit of the management witness. They are copies of notice ch. 31-8-84, given by Jagdish Narain Saxena, Advocate, on behalf of the landlords to the bank, copy of plaint dt. 11-12-84 in Original Suit No. 393/84, of the Court of Civil Judge, Lucknow, and copy of written statement dt. 13-10-86, filed by the bank in the said case. Annexure 7, is the copy of letter dt. 1-4-81 from the manager, Husainganj Branch to the Regulard Measure. Regional Manager, Lucknow, informing him how the staff was facing trouble in meeting the water requirement. He also wrote that there was no water supply in the premises. He also informed the Regional Manager that persuation made to the landlords and letters sent to him had brought not fruitful result. He also referred to the earlier correspondence and also to the representations of members of staff. These letter which was marked as urgent shows that even prior to the engagement of Sh. Harish Chandra there was no water supply in the Banks premises and the landlords were not releasing water to meet the needs of the bank. Annexure 7-A is to cop, of letter dt. 25-7-80, from that very Branch to the landlords. The then manager informed the landlords that for the last 4 months, the bank was not getting water supply and that the bank had no alternative but to purchase weer which was not even available casily. These letters were written at a time when no dispute had arisen between the pettioner and the management of the bank. It cannot be therefore said that evidence was being prepared to meet the case of the pettioner at a future date.
- 17. The management witness has deposed in his cross examination that when he joined the branch in February, 1983, he found the water tap disconnected. He wrote about it to the landlords but he received no reply.
- 18. The above was the position about the availability of the water in the banks premises situte at Station Road.
- 19. Now let us see what the management says about the banks premises at Gurugovind Singh Marg. The management witness says that although there was a water tap in the rented premises of the bank but it was not functioning. It started functioning near about Dec. 1985. According to him there was a written understanding with the landlords that he would build a storage water tank and from the said tank there would be water supply to the banks premises. So untill it was constructed bank used to purchase water. To a further question put to him in his cross examinaion, the management witness has said that there was no question of obtaining prior approval of the Regional Manager for purchasing water. He was authorised to spent Rs. 100 a day. From 17-19-85, another alternative arrangement was made by him for bringing water,

20. On the other hand the case set up by Sh. Harish Chandra is that he was appointed as a peon cum Farrash on daily wages w.e.t. 22-3-83. In para 7 of his affidavit he states that after filling the drums etc with water he used to clean the fternitures of the branch and arrange books etc.

- 21. In this case, the management fined a number of vouchers to prove payment to Sh. Harish Chandra. All these vouchers have been admitted by the petitioner.
- 22. In his cross examination Sh. Harish Chandra says that he used to fill water from the water tap fixed in the bank's premises. This is belied by the evidence which the management has led in this case. The management evidence is credit worthy and is supported by documents. There is no evidence from the side of the retitioner to corroborate his case on the point.
- 23. In para 3 of his statement in cross examination he has said that he was not getting salary of the peon. The peon was certainly getting more salary than what he used to get. He some times get Rs. 200 some times Rs. 300 and some times Rs. 400 in a month. He admits that he never made a written complaint with the management that he should be paid wages at par with the wages of regular sub staff. According to him he was not a member of any union. However, he brought the above fact to the notice of office bearers of bank employees union, but they advised him to contact the Branch Manager. He says that no representation was ever made by the said union on his behalf. It is strange that during the period of 3-1/2 years he kept slient and did not agitate the matter that he was not being paid requisite salary by the management although the management had been taking from him the full days of peon cum farrash work. Had he genuine grievance, he would not have kept mum nor the office bearers of the union would have left him in the lurch.
- 24. There is no documentry evidence from the side of the workman to prove that he over performed the duties of a peon. In para 7 of his affidavit, the management witness has deposed that the working hours of the branch were from 10.30 a.m. to 5.30 p.m. Sh. Harish Chandra used to supply water in the early hours between 9.45 a.m. to 11.00 a.m. In para 8 of his statement in his cross examination the management witness anys that he used to keep key of the branch with him. According to him Sh. Harish Chandra never got opened the branch
- 25. From the side of the workman Sh. O. P. Nigam has placed much reliance on the statement regarding the strength and the working strength of the sub staff at Husainganj Brauch during March 1983 to Sept. 1983. The said statement dt. 20-1-88 was furnished by the management on the application dt. 16-11-87 of Sh. O. P. Nigam. He submits that from the said statement it will appear that during March, 1983 to January 1984 and again during December 1984 to June 1985 as against the sanctioned strength of 4 only 3 were working. Therefore, during the said period, the management on more person as sub staff. It is no wonder if the job of 4th member of sub staff was taken from Sh. Harish

Chandra. The management witness has tried to meet the point when quesions were put to him during the course of cross examination. In para 10 of his statement in gross examination he saws that during March 1983 to June 1984 the peon officiated as Bill collector and while discharging his duties as bill collector he was also discharging the duties of peon. Because of it no difficulty was experienced. Then in para 15 of his statement in cross examination, with regard to the second period, the management witness says that the peon had been transferred, but despite his transfer not much difficulty was experienced as the bill collector was also doing the duties of peon.

- 26. An important thing which has been deposed by the management witness in para 10 of his affidavit is that in his capacity as Branch Munager he had no authority and/or power to engage or appoint any one as temporary sub staff in any form. There has been no cross examination of the witness on the point. Even during the course of arguments Sh. Nigam, the authorised representative for the petitioner did not challenge the above fact. It as branch manager Sh. Jaitley could not appoint even temporary sub staff, I fail to understand how he could have appointed Sh. Harish Chandra as a temporary peon cum fariash.
- 27. Even if he had appointed Sh. Harish Chandra, the appointment would had being beyond his powers. The suggestion that was made by Sh. Nigam to the management witness is very interesting. It appears at page 6 of the statement of the witness of the management. From the suggestion it appears that all along the Branch Manager, was giving Sh. Harish Chandra assurance that he would be absorbed as a member of sub staff and that till he receives orders from the Reigonal Manager's Office about his appointment he (workman) would be paid remuneration at the rate of Rs. 2 per bucket so that no body could raise any objection. The suggestion shows that there had actually been no appointment of Sh. Harish Chandra as peon com Farrash.
- 28. Thus from the facts and circumstances, I find that on account of scarcity of water and on account of non availability of water in the rented premises of the Husainganj Branch of the bank on account of attitude of the landlords, the branch manager was forced to buy water in order to meet the water tequirements of the members of the staff working and the customers etc. Sh. Harish Chandra was never appointed as peon cum Faraish. From him the bank simply purchased water. Hence, the question of termination of his services by the bank does not arise. The bank simply stopped purchasing water from Sh. Harish Chandra. Accordingly Sh. Harish Chandra is not entitled to any relief what to say of his being absorbed in the bank service.
  - 29 The reference is answered accordingly.

ARJAN DEV. Presiding Office.
[No. L-12012/163/1/86-D.II(A)]
N. K. VERMA, Desk Officer